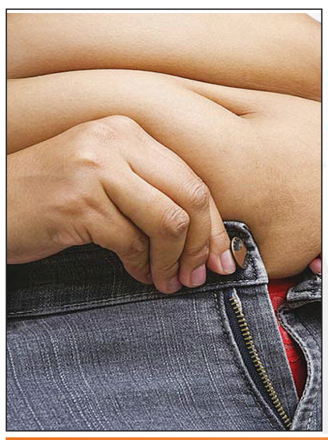

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कहीं आपके वजन बढड्ने का ये कारण तो नही पेज: 7

अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर वेदांग रैना का बड़ा खुलासा पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 103 | शुक्रवार 17 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पंजाब कांग्रेस का 'पावर गेम' चरम पर: चन्नी-बाजवा मिले, राहुल गांधी ने की बैठक

नई दिल्ली एजेंसी: 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर चल रहे विवाद के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित आवास पर पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा से मुलाकात की। कांग्रेस नेतृत्व ने 1 जुलाई को घोषणा की कि अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बने रहेंगे। खबरों के अनुसार, चन्नी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं और नेतृत्व में बदलाव चाहते हैं; कुछ वरिष्ठ नेता जालंधर के सांसद के अभियान का समर्थन भी कर रहे हैं। इस बीच, पंजाब के लिए अक्ळउ के इंचार्ज भूपेश बघेल ने कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल को एक रिपोर्ट सौंपी। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में वारिंग को ही राज्य अध्यक्ष बनाए रखने की सिफारिश की गई है,

सामने बैठे थे 6 देशों के एनएसए, अजीत डोभाल ने इस दौरान ऐसा क्या कह दिया जिससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई

नई दिल्ली एजेंसी: जहां दुनिया का एक बड़ा हिस्सा युद्ध, तनाव और भू-राजनीतिक टकरावों में उलझा हुआ है, वहीं भारत ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि स्थायी नेतृत्व ताकत के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और सामूहिक सुरक्षा की नई इबारत लिखने से स्थापित होता है। नई दिल्ली में बिम्सटेक देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने संबोधन के जरिए पूरी दुनिया को एक बड़ा रणनीतिक संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद, साइबर हमलों, समुद्री चुनौतियों और आर्थिक अस्थिरता जैसे साझा खतरों का समाधान टकराव नहीं, बल्कि विश्वास, साझेदारी और समन्वित कार्रवाई में है। डोभाल के इस संदेश ने न केवल भारत की क्षेत्रीय कूटनीति

को नई धार दी, बल्कि यह भी संकेत दे दिया कि हिंद-प्रशांत में उभरते शक्ति समीकरणों के बीच भारत अब सुरक्षा एजेंडा तय करने वाला निर्णायक नेतृत्व बन चुका है। हम आपको बता दें कि इस बैठक में भारत के अलावा बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा प्रतिनिधिमंडलों ने हिस्सा लिया। बिम्सटेक महासचिव ने सुरक्षा क्षेत्र में संगठन की प्रगति का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए सदस्य देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद सभी देशों ने आतंकवाद, संगठित अपराध, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, संपर्क (कनेक्टिविटी) और उभरते सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए व्यावहारिक तथा परिणामोन्मुख उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि समुद्री मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निदेर्शों को अपनाना रही। इन दिशानिदेर्शों से प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सदस्य देश पहले से कहीं अधिक तेज, समन्वित और प्रभावी राहत अभियान चला सकेंगे।

समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निदेर्शों को अपनाना रही.........

बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि समुद्री मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए समुद्री संचालन संबंधी दिशा-निदेर्शों को अपनाना रही। इन दिशानिदेर्शों से प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सदस्य देश पहले से कहीं अधिक तेज

इसके साथ ही समुद्र में कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच संपर्क और कार्रवाई के लिए साझा मार्गदर्शक सिद्धांतों को भी मंजूरी दी गई। इनका उद्देश्य समुद्री अभियानों के दौरान पारदर्शिता, पूवार्नुमेयता और सुरक्षा बढ़ाना है, ताकि गलतफहमियों और टकराव की संभावनाएं कम हों। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में क्षेत्रीय सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज सशस्त्र संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, बहु-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, तकनीकी व्यवधानों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों के कारण पैदा हुए आर्थिक दबावों का सामना कर रही है। ऐसे समय में बिम्सटेक देशों को साझा हितों की रक्षा के लिए सामूहिक और निर्णायक कदम उठाने होंगे। डोभाल ने बिम्सटेक की रणनीतिक क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह मंच दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के दो सबसे गतिशील क्षेत्रों को जोड़ता है। करीब 1.7 अरब आबादी और लगभग पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था वाला यह समूह वैश्विक आबादी के लगभग 22 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि इन देशों को केवल बंगाल की खाड़ी ही नहीं जोड़ती, बल्कि हजारों वर्षों की साझा सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक संबंध भी इन्हें एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बिम्सटेक ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, साइबर खतरों और समुद्री सुरक्षा जैसी साझा चुनौतियों के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रगति की है। अब संगठन नई और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भी सामूहिक क्षमता विकसित कर रहा

भारत में आधारभूत संरचना क्रांति ! राजनाथ सिंह ने बीआरओ को सराहा, कहा- विकास की नई मिसाल

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की ओर से आयोजित 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव' को संबोधित किया और संगठन के साढ़े छह दशकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े छह दशकों में, संगठन ने सचमुच अपने आदर्श वाक्य, 'कड़ी मेहनत से सब कुछ संभव है' को साकार किया है। अटल टनल और सेला टनल जैसे प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तेजी से आप अब सबसे मुश्किल इलाकों और ऊंचे पहाड़ों पर सड़कें और हाईवे बना रहे हैं, वैसी तेजी हमारे इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। टेक्नोलॉजी को अपनाने के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता ही आपकी

सबसे बड़ी ताकत है। और बीआरओ परिवार के एक सदस्य के तौर पर, जब मैं आपकी उपलब्धियों को देखता हूँ, खासकर पिछले दशक की उपलब्धियों को, तो मुझे गर्व महसूस होता है। राजनाथ सिंह ने इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार बने रहने वाले रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसी देश की ताकत चाहे कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, उसे खड़े होने के लिए मजबूत जमीन की जरूरत होती है। बीआरओ सीमावर्ती इलाकों में एयरफील्ड भी बनाता है। युद्ध के तरीके चाहे कितने भी बदल जाएं, सड़कों, सुरंगों और एयरफील्ड का महत्व हमेशा बना रहेगा। बीआरओ देश की ताकत का एक अहम स्तंभ बना रहेगा। इसने खुद को सिर्फ. एक कंस्ट्रक्शन एजेंसी से बदलकर दुनिया के सबसे सम्मानित रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर संगठनों में से एक बना लिया है। कॉन्क्लेव के समय पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने भारत में बुनियादी ढांचे में हुए बड़े बदलाव का ज़िक्र किया और कहा कि कॉन्क्लेव का विषय टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और बेहतरीन क्रियान्वयन के जरिए क्षमता बढ़ाना - भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि सभ्यताओं को न केवल उनकी उपलब्धियों के लिए, बल्कि उनके द्वारा बनाई गई सड़कों और बुनियादी ढांचे के लिए भी याद किया जाता है। आज भारत जो बुनियादी ढांचा बना रहा है, वह उसकी सभ्यता की एक अहम पहचान बन जाएगा। पहले के इंफ्रास्ट्रक्चर कामों की आलोचना पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि आजादी के बाद इस दिशा में कुछ नहीं हुआ, लेकिन जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था

मानसून सत्र में मोदी सरकार को घेरेगी कांग्रेस, राम मंदिर-पेपर लीक पर उठाएगी सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र के दौरान वह कई मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरेगी। इन मुद्दों में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित चोरी, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था का सिस्टमैटिक तौर पर खराब होना, महंगाई और विदेश नीति शामिल हैं। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि वह परिसीमन और मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को हटाने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन बिलों का, साथ ही सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले कई अन्य कानूनों का भी कड़ा विरोध करेगी। यह रणनीति कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर हुई कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में तय की गई। इस बैठक में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश, पी चिदंबरम, के सुरेश, नसीर हुसैन, मणिकम टैगोर, कुमारी शैलजा, तारिक अनवर, शशि थरूर, मनीष तिवारी और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में खड़गे ने उन मुद्दों के बारे में बताया जिन्हें पार्टी सत्र के दौरान उठाएगी। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी -- आस्था के साथ धोखा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का अंदरूनी पतन, संस्थाओं पर कब्जा, राजनीतिक पार्टियों को तोड़ना, कई घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं और रणनीतिक गलतियां, 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर इथेनॉल ब्लेंडिंग थोपना, बेतहाशा पेड़ों की कटाई, और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर लगातार हमले - ये कुछ ऐसे अहम मुद्दे हैं जिन पर कांग्रेस पार्टी संसद के आने वाले मॉनसून सत्र में मोदी सरकार से जवाब मांगेगी। खरगे ने कहा कि रणनीति बैठक में उन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई जो लोगों के जीवन और उनकी उम्मीदों पर असर डालते हैं। बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी को पता चला है कि केंद्र सरकार परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश करने की तैयारी कर रही है, जबकि इस साल की शुरूआत में वह इसके लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में नाकाम रही थी।

सोनम वांगचुक की सेहत को लेकर चिंतित आदित्य ठाकरे, कहा- बीजेपी को युवा भारत की कोई चिंता नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: शिवसेना (यूटीबी) नेता आदित्य ठाकरे ने क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का समर्थन किया है और एक्टिविस्ट की चिंताओं के प्रति बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित असंवेदनशीलता की आलोचना की है। ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनता के मुद्दों को हल करने के बजाय बांटने वाली राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सोनम वांगचुक जिस मुद्दे के लिए उपवास कर रहे हैं, उसके प्रति बीजेपी सरकार की असंवेदनशीलता से बस एक ही बात साबित होती है: इस सरकार को युवा भारत की बिल्कुल भी परवाह नहीं है। उन्होंने 2026 नीट-यूजी एंट्रेंस एग्जाम का पेपर लीक होने को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर खास तौर पर निशाना साधा और कहा कि प्रधान को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें पद से हटा देना चाहिए। ठाकरे

ने कहा कि उनकी बहुत सीधी-सी मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान... को ज़िम्मेदार ठहराया जाए। उन्हें उनके पद से हटा दिया जाना चाहिए। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी गंभीर घटना के बाद भी, किसी भी देश में ऐसा अयोग्य केंद्रीय मंत्री अपने पद पर नहीं बना रहता। एग्जाम पेपर लीक, इथेनॉल पॉलिसी और राम मंदिर के मुद्दे जैसे हालिया विवादों पर बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि इखढ सत्ता बनाए रखने के लिए इन मामलों का इस्तेमाल जनता के बीच बंटवारा करने के लिए कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे पेपर लीक का मामला हो, इथेनॉल का मुद्दा हो या मंदिर का मामला... इखढ की बस एक ही पॉलिसी है: लोगों के बीच बंटवारा करना और अपनी सत्ता बनाए रखना। इस बीच, दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की सेहत पर रोज नजर रखी जाए। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की डिवीजन बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि हर नागरिक की जान कीमती है और सरकारी अधिकारियों को उसे बचाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए।

राहुल गांधी का आरोप: बीजेपी ने उत्तराखंड को पेपर लीक का 'एपिसेंटर' बनाया

उत्तराखंड: शुक्रवार को देहरादून में छात्रों के साथ बातचीत से पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उत्तराखंड पेपर लीक का केंद्र बन गया है और उन्होंने युवाओं के भविष्य को नीलाम न होने देने का संकल्प लिया। गांधी ने कहा कि वह 17 जुलाई को देहरादून का दौरा कर रहे हैं क्योंकि 'देवभूमि' को पेपर लीक का केंद्र बना दिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि यूकेएसएसएससी उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाओं को लेकर यहां एक 'सिस्टम' बन गया है, जिसमें पटवारी या लेखपाल जैसे पद मेरिट के आधार पर नहीं, बल्कि अपराधियों द्वारा तय की गई कीमतों पर हासिल किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नकल-रोधी कानून तो बनाया, लेकिन पेपर लीक होने का सिलसिला जारी रहा। गांधी ने कहा कि कानून सिर्फ. कागजों तक ही सीमित रहा, जबकि परीक्षा के पेपर बाजार में बिकते रहे। जरा सोचिए: एक छात्र सालों तक तैयारी करता है। वह फॉर्म भरता है, फीस देता है और दूर स्थित परीक्षा केंद्र तक जाता है। फिर भी, उस छात्र के लिए बनी जगह कोई और खरीद लेता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ. पेपर लीक नहीं, बल्कि चोरी है। उन्होंने कहा कि यह उस युवा के अधिकारों, रोजी-रोटी और भविष्य की चोरी है। उन्होंने कहा कि मैं उत्तराखंड के हर उम्मीदवार, हर छात्र और हर युवा से कहता हूँ - यह आपकी लड़ाई है और मैं आपके साथ हूँ। 17 जुलाई, देहरादून। आइए, 'छात्रों की गूंज' को एक जबरदस्त आवाज में बदल दें। गांधी ने कहा कि हम भविष्य की नीलामी नहीं होने देंगे। हम सपनों को लीक नहीं होने देंगे। उन्होंने पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा लागू किए गए नकल-विरोधी कानून पर सवाल उठाते हुए

हम बेताब नहीं हैं...ममता बनर्जी की बागी नेताओं को खुली चुनौती, कहा- बीजेपी के दबाव में जाना है तो जल्द जाएं

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जल्द से जल्द ऐसा कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि वह समझ सकती हैं कि भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करके कई नेताओं पर दबाव बना रही है। उनकी यह प्रतिक्रिया राज्यसभा सदस्य कोएल मल्लिक के इस्तीफे के कुछ घंटों बाद आई है। एक और सांसद BJP में शामिल हो गई हैं। हालांकि, एक एक्टर के तौर पर मैं उनका सम्मान करती हूं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकताओं के लिए एक वीडियो संदेश में कहा कि जो लोग इखढ, एऊ उइक और पुलिस के दबाव में पार्टी छोड़ना चाहते हैं, उनसे मेरी गुजारिश है कि वे जल्द से जल्द चले जाएं। मैंने अभी-अभी संविधान पढ़ा है... हम बेताब नहीं हैं। मल्लिक, जिनका असली नाम रुक्मिणी मल्लिक है, ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात के बाद आज ही उच्च सदन से इस्तीफा दे

दिया। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बनर्जी के सत्ता से बाहर होने के बाद, राज्यसभा से इस्तीफा देने वालीं वे पार्टी की चौथी नेता थीं। हालांकि, मल्लिक ने यह नहीं बताया कि उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा क्यों दिया, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। 44 साल की एक्टर से नेता बनीं मल्लिक ने अपने इस्तीफे के पत्र में कहा, "मैं राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देती हूँ, जिसे कृपया तुरंत प्रभाव से स्वीकार किया जाए।" उन्होंने कहा, "राज्यसभा सदस्य के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान मदद और सहयोग के लिए मैं उप-सभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों का दिल से आभार व्यक्त करती हूँ। मल्लिक से पहले, सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बारिक ने राज्यसभा सदस्य के तौर पर इस्तीफा दिया था और टीएमसी छोड़ दी थी। बाद में, वे बीजेपी में शामिल हो गए और बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया। रॉय, देव और बारिक के इस्तीफों ने टीएमसी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, क्योंकि पार्टी पहले से ही पश्चिम बंगाल विधानसभा और लोकसभा में बगावत के संकट से जूझ रही है।

आमरण अनशन और कानून: जब आंदोलनकारी की जान पर आ जाए खतरा, तो कब और कैसे हस्तक्षेप कर सकती है सरकार?

नई दिल्ली एजेंसी: सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। बीते दिनों दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसमें सोनम वांगचुक की जान बचाने के लिए सरकार से तुरंत दखल देने की मांग की गई। इस याचिका में अनुरोध किया गया था कि सोनम वांगचुक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाए और अगर जरूरी हो तो उनकी यह भूख हड़ताल जबरदस्ती तोड़कर उन्हें खाना खिलाया जाए। यह भी मांग की गई है कि सरकार को सोनम मांगचूद से बातचीत करनी चाहिए। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि सोनम वांगचुक की जान बचाने के लिए जो भी मेडिकल मदद जरूरी हो, वह सरकार को करनी चाहिए। चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि ज़िंदगी कीमती है और सरकारी डॉक्टरों को वांगचुक की हालत की नियमित रूप से जांच करनी चाहिए। सोनम वांगचुक 28 जून से लगातार भूख हड़ताल पर हैं। अनशन पर हैं और उनके जो समर्थक हैं वो लगातार अब यह कह रहे हैं कि उनकी स्थिति बिगड़ रही है और उनके जो शरीर के सारे पैराटर्स हैं वह खराब हो रहे हैं और अब उनकी जान जा सकती है। इस

घटनाक्रम ने एक बार फिर उस सवाल को चर्चा के केंद्र में ला दिया है जो भारत में कई हाई-प्रोफाइल विरोध प्रदर्शनों के दौरान सामने आता रहा है कि क्या भूख हड़ताल कानूनी रूप से वैध है? क्या कोई व्यक्ति अनिश्चित काल के लिए उपवास करने का विकल्प चुन सकता है? किस मोड़ पर राज्य (सरकार/प्रशासन) इसमें हस्तक्षेप कर सकता है? क्या भूख हड़ताल गैर-कानूनी है? नहीं। भारत में ऐसा कोई कानून

सोनम वांगचुक 28 जून से लगातार भूख हड़ताल पर हैं। अनशन पर हैं और उनके जो समर्थक हैं वो लगातार अब यह कह रहे हैं कि उनकी स्थिति बिगड़ रही है और उनके जो शरीर के सारे पैराटर्स हैं वह खराब हो रहे हैं और अब उनकी जान जा सकती है।

नहीं है जो किसी व्यक्ति को भूख हड़ताल करने से रोकता हो। संविधान नागरिकों को अनुच्छेद और अनुच्छेद 19(1)(b) के तहत बोलने और अपनी बात कहने की आजादी और बिना हथियारों के शांतिपूर्वक इकट्ठा होने का अधिकार देता है। इसलिए, शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन, जैसे कि धरना देना और सांकेतिक उपवास रखना, आम तौर पर संवैधानिक रूप से सुरक्षित गतिविधियाँ हैं। हालाँकि, ये अधिकार असीमित नहीं हैं। सरकार सार्वजनिक व्यवस्था, सुरक्षा, नैतिकता या अनुच्छेद 19 में बताए गए अन्य आधारों पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। क्या 'आरण-अनशन'अलग है? कानूनी रूप से हाँ। हालांकि भूख हड़ताल शुरू करना कोई आपराधिक अपराध नहीं है, लेकिन अधिकारी तब हस्तक्षेप करते हैं जब यह विरोध प्रदर्शन प्रदर्शनकारी के जीवन के लिए एक गंभीर खतरा बनने लगता है। आर्टिकल 21 (अनुच्छेद 21) के तहत सरकार का एक संवैधानिक दायित्व (संवैधानिक कर्तव्य) है, जो जीवन के अधिकार की गारंटी देता है, ताकि जीवन की रक्षा की जा सके। अदालतों ने बार-बार यह व्यवस्था दी है कि यदि किसी का जीवन आसन्न खतरे (तुरंत मंडराते खतरे) में है, तो राज्य (सरकार) एक मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता। यही कारण है कि अधिकारी अक्सर भूख हड़ताल करने वालों के स्वास्थ्य की निगरानी करते हैं, स्थिति गंभीर होने

संपादकीय

सुनें तार्किक विरोध

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति-नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्ण के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा-संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरूआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।
संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!
आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता 2369?भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।
नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।
मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे।
नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।
इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का व्यापक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सौहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

निर्मल रानी

प्रभु श्री राम मंदिर,अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने पूरे हिंदू समाज और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस महापाप में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है।
परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफसोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक छोटी सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ?कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे ठेका ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना गलत है।
उधर स्वयं को हिंदू रक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला गाजियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोगरीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है? उसके अनुसार जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक नहीं है। चंदा लूट व चोरी को जायज ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफरती शख़्स ने कीं।
इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सजा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सजा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा,अविनाश शुक्ला,लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि बाकी सबको छह-छह महीने की सजा देकर छोड़ देना चाहिए। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सजा देकर रफा दफा करना चाहते हैं।इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि हम(हिन्दू) आपस में निपट लेंगे । विपक्ष के अनुसार भाजपा के गुर्गे मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने

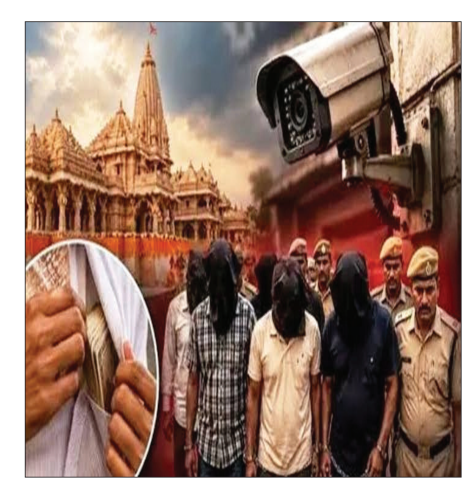

ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे। इसमें किसी तीसरे या गैर-हिंदू को बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस नैरेटिव की चौतरफा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को आपसी मामला बताने वाले इन बयानों की केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग द्वारा तीखी निंदा की जा रही है। आलोचकों और आम श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में चोरी महापाप है। चोर का कोई धर्म या जाति नहीं होती। परन्तु राम मंदिर दान लूट के विषय में उपरोक्त दलीलें सुनकर तो यही लगता है गोया इस शर्मनाक घटना में भी कुतर्कों की इंतेहा कर दी गयी है।
(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्सर₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।
इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।
हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।
फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।
इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है।
देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।
देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।
बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जन कल्याण सेवा समिति ने कन्या विवाह में बढ़ाया सहयोग का हाथ, जरूरत का सामान व नगद राशि भेंट

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए जन कल्याण सेवा समिति, चंदौसी ने एक जरूरतमंद कन्या के विवाह में सहयोग प्रदान किया। समिति की सदस्याएं हनुमान मंदिर, बड़ा बाजार, चंदौसी में एकत्रित हुईं और नवविवाहिता के गृहस्थ जीवन की शुरूआत के लिए आवश्यक सामग्री एवं आर्थिक सहायता भेंट की। समिति की ओर से कन्या को साड़ी, सूट, पैंट-शर्ट, एक बेडशीट, मेकअप बॉक्स सहित श्रृंगार का सामान, चूड़ियां, पाजेब, घरेलू उपयोग के बर्तन, विभिन्न उपहार सामग्री तथा 2,100 रुपये की नगद धनराशि प्रदान की गई। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सहयोग करने की यह उनकी सतत सेवा मुहिम का हिस्सा है। इसी क्रम में समिति अब तक 30 कन्याओं के विवाह में सहयोग कर चुकी है। इस सेवा कार्य में समिति की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय, सचिव भावना गुप्ता, उपाध्यक्ष आशा गोस्वामी, रेखा रस्तोगी, अलका अंशु वार्ष्णेय, दया वार्ष्णेय, सारिका, कांता अदलखा, अनामिका, रुचि, पूर्णिमा, पूनम वार्ष्णेय, रचना वार्ष्णेय सहित अन्य सदस्याओं का सराहनीय सहयोग एवं सहभागिता रही।

घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/संभल (सब का सपना):- थाना पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई को थाना क्षेत्र के ग्राम बहरौली ताहरपुर निवासी नेमवती पत्नी पप्पू सिंह ने थाना बहजोई में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित का आरोप था कि नामजद अभियुक्तों ने उनके घर में जबरन प्रवेश किया और उनके तथा उनके पति के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना बहजोई में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की गई। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में 16 जुलाई को थाना बहजोई पुलिस को सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित आरोपी नरेन्द्र पुत्र छन्नू बहरौली ताहरपुर से टिकटा जाने वाले मार्ग पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच जारी है, ताकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। थाना बहजोई पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए अभियान लगातार जारी है। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठियों के ठिकानों पर ईडी की रेड, टेरर फंडिंग के खिलाफ कार्रवाई में 40 लाख बरामद

लखनऊ। रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लखनऊ टीम ने गुरुवार को पांच राज्यों में छापेमारी की। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ कराने वालों के पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में स्थिति 13 ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए हैं। एटीएस ने दिल्ली के मेट्रो स्टेशन के बाहर विस्फोट के बाद टेरर फंडिंग और अवैध रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ को लेकर एफआइआर की थी। इसी आधार पर ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज कर गुरुवार को अवैध घुसपैठ कराने वालों के नेटवर्क का राजफाश किया है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि अवैध घुसपैठ कराने वालों के बंगाल में कोलकाता के उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना व मुर्शिदाबाद, फरीदाबाद के बल्लभगढ़, सहारनपुर के देवबंद दिल्ली स्थित 13 ठिकानों पर की गई छापेमारी में कई संदिग्ध दस्तावेज व डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं। इनकी जांच की जा रही है। साथ ही आरोपितों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। ईडी की जांच में क्या आया सामने? ईडी की अभी तक की जांच में सामने आया है कि एक संगठित गिरोह अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में अवैध घुसपैठ करा रहा है। साथ ही फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाकर घुसपैठियों को स्थायी रूप से बसाने का कार्य कर रहा है। ईडी के अनुसार,यह गिरोह विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्टों के माध्यम से ब्रिटेन स्थित संस्थाओं से धन लेकर उसे घुसपैठियों को बसाने पर खर्च कर रहा था। सरकार व सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए संबंधित ट्रस्टों के माध्यम से छह, आठ व 10 हजार रुपये जैसी छोटी-छोटी किश्तों में संदिग्ध व्यक्तियों को धनराशि भेजी जाती थी। घुसपैठियों के आर्थिक पुनर्वास के लिए किया जाता था पैसे का उपयोग इस धन का उपयोग घुसपैठियों के आर्थिक पुनर्वास के लिए किया जाता था। साथ ही इस राशि से घुसपैठियों को ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाते थे। ईडी ने यह भी दावा किया है कि सीमा से घुसपैठ कराने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और बाद में देश के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए अलग-अलग समूह सक्रिय थे। इसी सिलसिले की गई छापेमारी के दौरान बंगाल के कलीलकापुर के हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम के आफिस से 40 लाख रुपये की नकदी और लाइब्रेरी से 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद किए गए। इस बरामदगी को लेकर कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण न मिलने पर संबंधित राशि व सोने को जब्त कर लिया गया है। म्यूल बैंक खातों का करते थे इस्तेमाल घुसपैठियों के गिरोह द्वारा म्यूल बैंक खातों के जरिए विदेशों से फंड मंगाया जाता था। इन खातों में आने वाले राशि को दूसरे राज्यों में स्थित बैंकों से निकाला जाता था, रकम हजारों में होती थी इसलिए सुरक्षा एजेंसियों को इसकी भनक काफी देर से लगी। वित्तीय नेटवर्क का भंडाफोड़ ईडी के अधिकारियों ने बताया कि शुरूआती जांच में गहरे पैठ वाले फाइनेंशियल नेटवर्क का पता चला है। इसमें कुछ चैरिटेबल ट्रस्ट और संस्थाएं शामिल हैं। इन्हें भारी मात्रा में विदेशी चंदा मिला और गैर-कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई बैंक अकाउंट, म्यूल अकाउंट और कई चरणों वाले ट्रांजेक्शन के जरिए उस पैसे को इधर-उधर किया।

यूपी चुनाव से पहले ओपी राजभर का नया दांव, अब बड़े की जगह छोटे बेटे को इस सीट से उम्मीदवार बनाने तैयारी

लखनऊ। छोटे दलों में परिवारवाद की होड़ आम बात है। इस होड़ में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष व मंत्री ओम प्रकाश राजभर भी शामिल हैं। अब तक सपा के गढ़ आजमगढ़ की अतरौलिया विधान सभा क्षेत्र से खुद चुनाव लड़ने की बातें करने वाले राजभर ने अपना दांव बदल दिया है। अब वह इस सीट से छोटे बेटे अरुण राजभर को चुनाव मैदान में उतारेंगे। अरुण का यह पहला चुनाव होगा। उन्होंने अब तक तीन चुनाव हार चुके बड़े बेटे डॉ. अरविंद राजभर को प्रत्याशी न बनाकर चुनाव प्रबंधन व रैलियां करने व कराने की जिम्मेदारी देने का मन बनाया है। पिछले दिनों आजमगढ़ में मीडिया से बातचीत में राजभर ने कहा था कि अतरौलिया से वह खुद चुनाव लड़ेंगे, लेकिन अब वह अपनी जहुराबाद सीट से ही चुनाव मैदान में उतरेंगे। अतरौलिया सीट से वह बेटे अरुण पर दांव खेलेंगे। राजभर आजमगढ़ जिले में सपा के कब्जे वाली अतरौलिया, दीदारगंज व मेहनगर सीट से प्रत्याशी उतारने की तैयारी में हैं। यह मानकर चल रहे हैं कि भाजपा उन्हें इन तीनों सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका दे देगी। उल्लेखनीय है कि अरुण पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव के साथ ही मुख्य प्रवक्ता हैं। पहली बार उन्हें आजमगढ़ की अतरौलिया विधान सभा क्षेत्र में लोगों से जनसंपर्क व बैठकें करने की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. अरविंद वर्ष 2017 में बलिया जिले की बांसडीह और 2022 में वाराणसी जिले की शिवपुर विधान सभा क्षेत्र से प्रत्याशी थे।

इसके बाद वह वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव में घोसी से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी थे। अब तक किसी भी चुनाव में उन्हें सफलता नहीं मिली। राजभर अरविंद को वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि भाजपा की सहयोगी सुभासपा के छह विधायक हैं। पार्टी की कोशिश विधान सभा चुनाव में गठबंधन के तहत भाजपा से 30 से अधिक सीटें हासिल करने की है।

मजदूर ने देखा केजीएमयू के चिकित्सकों का ईश्वरीय रूप, साढ़े आठ घंटे की सर्जरी से निकालीं शरीर में घुसीं चार सरिया

लखनऊ। फरुर्खाबाद के 23 वर्षीय मजदूर उमेश के लिए किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के चिकित्सकों की टीम ईश्वर के रूप में सामने आई। बादशाहनगर में 13 जुलाई को ऊंचाई से गिरने के बाद गंभीर हालत में उमेश को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान 13 जुलाई को ही यहां के चिकित्सकों की टीम ने साढ़े आठ घंटे सर्जरी के बाद युवक के शरीर के आर-पार घुसी चार लोहे की सरियों को निकालकर उसे मौत के मुंह से वापस खींच लिया। डॉक्टरों ने फरुर्खाबाद के 23 वर्षीय मजदूर उमेश के शरीर में आर-पार धंसी चार लोहे की सरिया को जटिल सर्जरी से बाहर निकाला। ऊंचाई से गिरने के बाद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचाए गए उमेश के बाएं नितंब से घुसकर चार सरिया के टुकड़े उसके पेट, आंत, प्लीहा, डायाफ्राम और फेफड़े को भेद चुकी थीं। प्रो. समीर मिश्रा और डॉ. नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने साढ़े आठ घंटे की बेहद जटिल सर्जरी कर उसके शरीर से सरियां निकालीं और जान बचा ली। उमेश अब स्थिर है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (KGMU) के ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टर्स ने एक बार फिर अपनी विशेषज्ञता और समर्पण का लोहा मनवाया है। एक ओर जहां विश्वविद्यालय में 13 जुलाई को 22वें दीक्षांत समारोह में चिकित्सकों का सम्मान किया जा रहा था, वहीं ट्रामा सेंटर के ऑपरेशन थिएटर में सर्जन डॉक्टर्स की टीम ने 23 वर्षीय युवक के शरीर के आर-पार घुसी चार लोहे की सरियों को निकाला और उसे नया जीवन दिया। उसके के शरीर में बाएं नितंब से घुसकर पेट और छाती को भेदते हुए चार

खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार का स्वागत, सोनू कुमार का विदाई सम्मान

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के ब्लॉक संसाधन केंद्र याहियापुर पर महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। ब्लॉक हसनपुर से स्थानांतरित होकर ब्लॉक अमरोहा आए खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार का भव्य स्वागत किया गया। वहीं, ब्लॉक अमरोहा से हसनपुर स्थानांतरित हो रहे खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार का विदाई सम्मान समारोह मनाया गया।संगठन की ओर से दोनों अधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत व सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष करतार सिंह ने कहा कि सोनू कुमार का तीन वर्ष का कार्यकाल उत्कृष्ट रहा। उन्होंने किसी भी शिक्षक का उत्पीड़न नहीं किया, बल्कि सभी शिक्षकों-शिक्षिकाओं से मित्रवत व्यवहार रखा। उनके कार्यकाल को शिक्षक सदैव याद रखेंगे। करतार सिंह ने दोनों अधिकारियों को शाल, बुके तथा बाबा साहब के प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने सोनू कुमार के कार्यकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि उनके नेतृत्व में ब्लॉक शिक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चली। शिक्षकों ने अरुण कुमार का भी स्वागत किया और आशा जताई कि वे भी शिक्षक हितैषी भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में पंकज कुमार, आर्य लोकेश, धर्मेंद्र सिंह, विकास चौधरी, सोहित सिंह, कावेंद्र सिंह, रुपेंद्र सिंह, नसरीन फातिमा, अजीत सिंह, महेश कुमार, बलवान सिंह, शिव कुमार, सागर शशिकांत, प्रदीप कुमार, दिनेश मोहन, विजेंद्र सिंह, निशि भूषण, रेनू वड्डा, रेखा सागर, मुकेश कुमार, योगेश कुमार, नंदराम, कृष्ण कुमार, सुशील शर्मा, सत्य प्रकाश, मनीष कुमार, राकेश कुमार, रवि दुर्वेश, सत्यराज, शीलचंद्र, धर्मपाल सिंह, अफ्छ लवसूरी, सत्यप्रकाश सिंह, संदीप कुमार, रविंद्र सिंह, आकाश गुप्ता, नदीम लुकमान, ऊ़ सतवीर सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। शिक्षक समुदाय ने इस अवसर को भावुक विदाई और स्वागत का कार्यक्रम बताया।

डीएसएम शुगर रजपुरा ने गांवों को वितरित कीं सोलर लाइटें, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर प्रकाश व्यवस्था

रजपुरा/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था को मजबूत बनाने और सार्वजनिक स्थलों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डीएसएम शुगर रजपुरा ने विभिन्न गांवों को सोलर लाइटों का वितरण किया। इस पहल से गांवों में सुरक्षा और आवागमन की सुविधा को बढ़ावा मिलेगा। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में डीएसएम शुगर रजपुरा के यूनिट हेड उपेन्द्र तोमर ने ग्राम देवपुरा, सेमरी, देवरा भूरा स्थित सत्संग भवन, इसमपुर डांडा, दिनोरा, गुन्नौर हीरापुर, मंडावली, मिट्ठनपुर, फाबरु, सिंघौली पूर्वी एवं जिंजौड़ा डांडा से आए प्रतिनिधियों को सोलर लाइटें वितरित कीं। कार्यक्रम में गन्ना समिति रजपुरा के चेयरमैन भूशंकर गुप्ता, सचिव देव प्रकाश तथा गन्ना समिति के संचालक मंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। इस अवसर पर यूनिट हेड उपेन्द्र तोमर ने कहा कि डीएसएम शुगर राजपुरा किसानों और ग्रामीण समुदाय के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर सोलर लाइटें स्थापित होने से ग्रामीणों को रात के समय बेहतर प्रकाश व्यवस्था मिलेगी, जिससे सुरक्षा के साथ-साथ आमजन की सुविधा भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने डीएसएम शुगर रजपुरा की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए संस्थान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ग्रामीण विकास और सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

सरकार वारिस-ए-पाक का 125वां उर्स अकीदत के साथ संपन्न, महफिल-ए-मिलाद व मुशायरे ने बांधा समां

संभल (सब का सपना):- मंडी किशन दास सराय स्थित अंजुमन वारसिया चिश्तिया कादरिया में सरकार आलम पनाह वारिस-ए-पाक रहमतुल्लाह अलैह का 125वां उर्स मुबारक (29वीं शरीफ) पूरे धार्मिक उत्साह, अकीदत और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। उर्स के अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर बुजुर्ग-ए-दीन को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नज्र-ए-मौला-ए-कायनात से हुआ। इसके बाद महफिल-ए-जिक्र-ए-रसूल, मजलिस-ए-शोहदाए कर्बला तथा तजकिरा-ए-वारिस-ए-पाक का आयोजन किया गया। हाफिज मुशाहिद हुसैन व उनकी पार्टी ने महफिल-ए-मिलाद पेश की, जबकि मौलाना हारून व उनकी पार्टी ने जिक्र-ए-हुसैन और तनवीर सम्भली व उनकी पार्टी ने आले-हुसैन अलैहिस्सलाम की शान में कलाम पेश किए। निर्धारित समयानुसार बुजुर्गान-ए-सिलसिला के कुल शरीफ की रस्म भी अदा की गई।

उर्स के दौरान महफिल-ए-मुशायरा एवं तकरीर का भी आयोजन हुआ, जिसमें सलमान सम्भली, माजिद सम्भली, नौशाद सम्भली सहित अन्य शायरों ने अपने कलाम पेश कर महफिल को रौनक बख्शी। मुख्य वक्ता हाफिज शाह फिरोज वारसी ने अपने खिताब में कहा कि रसूल-ए-पाक और आले-रसूल से सच्ची मुहब्बत ही इंसान को सीधी राह पर चलना सिखाती है। उन्होंने सभी से उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। दोपहर 4 बजकर 13 मिनट पर सरकार वारिस-ए-पाक रहमतुल्लाह अलैह के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई, जिसके साथ उर्स का समापन हुआ। सरपरस्त-ए-जलसा मौलाना जिहानत हुसैन इसराइली वारसी ने मुल्क में अमन, खुशहाली और कौम की तरक्की के लिए विशेष दुआ कराई। स अवसर पर मौलाना जिशान अली, मनाजिर हुसैन वारसी, रमीज इतरत वारसी, सैफ अली वारसी, फहीम वारसी, शरफ हुसैन वारसी, यासूब हुसैन वारसी, अयान हैदर वारसी, सारिम अब्बास वारसी, अनीस वारसी, शफीक वारसी, रईस वारसी, फहीम मुख्तार, महमूद वारसी, इकराम वारसी, नसीम वारसी, अजीम सैफी, उमर तुर्की, एहतेशाम अशरफी, साकिब वारसी, अकील वारसी, हाफिज जहीर वारसी सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना जिहानत हुसैन इसराइली वारसी ने तथा संचालन सलमान सम्भली ने किया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार को भावभीनी विदाई, शिक्षकों ने शाल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड गंगेश्वरी के बीआरसी कार्यालय चन्दनपुर खादर में गुरुवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर, शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ किया। ज्ञात रहे कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा द्वारा अनिल कुमार को ब्लॉक गंगेश्वरी से हटाकर ब्लॉक जोया के साथ साथ मुख्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार का कार्यकाल गंगेश्वरी ब्लॉक के लिए अत्यंत उपलब्धियों भरा रहा। उनके नेतृत्व में न केवल शैक्षिक गतिविधियों को नई गति मिली, बल्कि ब्लॉक ने विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों एवं अभियानों में भी उल्लेखनीय पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि अनिल कुमार सदैव शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहे और उन्होंने प्रशासन एवं शिक्षकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने का कार्य किया। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए निवर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि गंगेश्वरी ब्लॉक में उन्हें जो स्नेह, सम्मान और सहयोग प्राप्त हुआ, उसे वह जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि यहां के शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित हैं और यही कारण है कि ब्लॉक निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षकों ने खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार के साथ बिताए गए अनुभवों को साझा किया और उनके सरल, सहज एवं कर्मठ व्यक्तित्व की प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार, एससी-एसटी शिक्षक संघ के जिला मंत्री जगवीर सिंह, विकास राहुल, राघवेंद्र सिंह,जयवीर सिंह, प्रमोद कुमार, गौतम सिंह, हरिओम सिंह, बिजेंद्र सिंह, मदनपाल, संजय सिंह, मोहम्मद असलम, विजय धामा, जितेंद्र सिंह, करणवीर सिंह,राहुल सागर, जयपाल सिंह, ओमप्रकाश सिंह,चेतन शर्मा,फैजान हस्मत, सतेंद्र सिंह, हिरदेश वर्मा, नाजिर अली, यतीश शर्मा, विलेश चौहान, सुंदर सिंह, सुधीर कुमार सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, पति ने पुलिस से लगाई बरामदगी की गुहार

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने पत्नी की सकुशल बरामदगी के साथ आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी करता है, जबकि उसकी पत्नी और दो वर्षीय पुत्री गांव में रहते हैं। आरोप है कि 7 जुलाई 2026 की सुबह गांव का ही एक युवक उसकी पत्नी को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया। पीड़ित का कहना है कि जब वह शाम को गांव पहुंचा तो आसपास के लोगों से जानकारी मिली कि उसकी पत्नी को आरोपी युवक के साथ जाते हुए देखा गया था। इसके बाद उसने आरोपी के घर पहुंचकर जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन वहां मौजूद परिजनों ने कथित रूप से अभद्रता करते हुए धमकी दी कि यदि पत्नी की तलाश की या पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे। मुस्तकीम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आशंका जताई है कि उसकी पत्नी के साथ कोई अनहोनी घटना हो सकती है। उसने पुलिस प्रशासन से पत्नी की शीघ्र बरामदगी, उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र राठौर का कहना है की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है

पालिका बोर्ड बैठक में विकास कार्यों समेत कई प्रस्तावों पर मुहर

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक पालिका अध्यक्ष किशन पाल सिंह लोधी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर के विकास कार्यों, आय-व्यय अनुमोदन, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भुगतान, जलापूर्ति, सफाई, प्रकाश व्यवस्था, एलईडी डिस्प्ले बोर्ड स्थापना तथा विभिन्न विकास योजनाओं से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई। आगामी कांवड़ यात्रा को देखते हुए सड़कों के गड्ढे भरने का मुद्दा भी उठाया गया। अधिशासी अधिकारी गार्गी त्यागी ने बताया कि जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सभी निर्वाचित व नामित सभासदों की उपस्थिति में निर्णय लिए गए।

भूजल सप्ताह का शुभारंभ, जल संरक्षण का लिया संकल्प

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भूजल सप्ताह" के प्रथम दिवस 16 से 22 जुलाई 2026 तक आयोजित " सिकन्द्राबाद विकासखंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय, भटपुरा में "जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प" थीम पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल के विवेकपूर्ण उपयोग पर विद्यार्थियों व ग्रामीणों को जागरूक किया गया। भूगर्भ जल विभाग के नोडल अधिकारी राहुल देव शर्मा ने जल संरक्षण के छोटे-छोटे उपाय अपनाने का आह्वान किया, जबकि लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता डी.सी. चंदेल ने दैनिक जीवन में पानी की बचत के सरल तरीके बताए। ग्राम प्रधान मनोज कुमार शर्मा ने ग्राम पंचायत में निष्क्रिय जलाशयों के पुनर्जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के तहत सुरक्षित पेयजल, भूजल संरक्षण और जल के समुचित उपयोग पर भी चर्चा हुई। अंत में विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं जल संरक्षण संबंधी पंपलेट वितरित किए गए।

किसान समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश, योजनाओं की दी जानकारी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में राजकीय कृषि विद्यालय के प्रशिक्षण कक्ष में किसान समाधान दिवस का आयोजन हुआ। बैठक में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने किसानों की समस्याएं और सुझाव रखे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा किसानों से नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसान हितैषी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने पर जोर दिया। कृषि विभाग ने प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि तकनीक, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। बैठक में एसएसपी दिनेश कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी राम कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

महिला का फंदे से झूलता शव मिला

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बगठारी में महिला का शव फंदे पर झूलता हुआ मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। सुषमा (25 वर्ष) पत्नी निखिल का शव घर की छत से लटके पंखे से दुपट्टा बांधकर झूलता हुआ मिला है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक विशंभर दयाल पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। सुषमा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की सूचना मायके के लोगों को भेजी गई है। सुषमा की करीब पांच साल पहले शादी हुई थी और उसके दो बच्चे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

कावड यात्रा को लेकर गांव सुलैला में बैठक का आयोजन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बुधवार को क्षेत्र के गांव सुलैला में कावड यात्रा के मद्देनजर बैठक का आयोजन कर दिये दिशा निर्देश।एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने बताया कि डीजे की ऊंचाई अधिक नहीं होगी। कैम्पों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा।। कोई भी शरारती तत्व शरारत करता है तो फौरन पुलिस को सूचना दें,दस मिनट में सहायता पहुचेगी।बगैर परमिशन के कोई कैम्प नही लगायेगा।कावड यात्रा पूरी होने तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी।इस अवसर पर कई दर्जन सुलैला वासी मौजूद रहे।

पीएसपीसीएल ने गोइंडवाल थर्मल प्लांट के 108 कर्मचारियों के समायोजन को दी मंजूरी; अधूरा विलय बना चर्चा का विषय

चंडीगढ़। गुरु अमरदास थर्मल प्लांट (जीएटीपी), गोइंदवाल साहिब के पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) में औपचारिक विलय की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है। इसी बीच पीएसपीसीएल ने निजी प्रबंधन के समय कार्यरत इंजीनियरों, अधिकारियों तथा तकनीकी व गैर-तकनीकी कर्मचारियों के समायोजन के लिए 108 पद स्वीकृत कर दिए हैं। इस फैसले के बाद पदों के चयन, उनकी संख्या, वेतनमान और केवल निदेशक मंडल के प्रस्ताव के आधार पर इन्हें स्वीकृति देने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार पंजाब सरकार की ओर से पूर्व जीवीके थर्मल प्लांट का अधिग्रहण करने के बाद पीएसपीसीएल ने वहां कार्यरत कर्मचारियों का ब्योरा मांगा था। जीवीके प्रबंधन ने 108 कर्मचारियों की सूची सौंपी, जिसके आधार पर निगम ने अपनी परिचालन जरूरतों के अनुसार पदों का ढांचा तैयार किया। पनई संरचना में अधीक्षण अभियंता का कोई पद नहीं बनाया गया है, जबकि सहायक कार्यकारी अभियंता (विद्युत) के 30 और सहायक अभियंता के 27 पद स्वीकृत किए गए हैं। प्रशासनिक स्तर पर दो वरिष्ठ सहायक, एक अपर डिवीजन क्लर्क, एक उप मुख्य लेखा अधिकारी, दो लेखा अधिकारी और दो सहायक लेखा अधिकारियों के पद रखे गए हैं,

जो 540 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्र का प्रशासनिक और वित्तीय कार्य देखेंगे। पद व अनुभव के आधार पर होगा समायोजन जानकारी के मुताबिक 108 कर्मचारियों का समायोजन उनके मौजूदा पद और अनुभव के आधार पर किया जाएगा। उनका कहना है कि केवल कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का वेतन पीएसपीसीएल के समकक्ष अधिकारियों से अधिक है, जबकि अधिकांश कर्मचारियों का वेतन कम है। पीएसपीसीएल के आदेश के अनुसार सभी कर्मचारी फिलहाल अपने वर्तमान वेतन और भत्ते ही प्राप्त करेंगे। साथ ही तेलंगाना स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में कार्यरत कुछ कर्मचारियों को भी इन पदों पर समायोजित किए जाने की संभावना है। पीएसपीसीएल के अधिकारियों का कहना है की वास्तव में नए पद नहीं बनाए गए हैं, बल्कि सरकारी अधिग्रहण के बाद पदों का पुनर्गठन किया गया है। ये स्वीकृत पद हैं और जीवीके के कर्मचारियों को इनमें समायोजित किया जा रहा है। विलय लंबित, समायोजन प्रक्रिया पर निगाहें भविष्य में यदि कोई कर्मचारी पद छोड़ता है तो उस पद पर नियमित पीएसपीसीएल कर्मचारी की नियुक्ति होगी। कर्मचारियों के समायोजन और संभावित विसंगतियों को दूर करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित की गई है। उल्लेखनीय है कि 12 जनवरी 2026 को पीएसपीसीएल ने गुरु अमरदास थर्मल प्लांट में कर्मचारियों की आवश्यकता का आकलन करने के लिए एक समिति गठित की थी। यह निर्णय निदेशक मंडल की 29 दिसंबर 2025 को हुई 120वीं बैठक में लिए गए फैसले के आधार पर किया गया था। हालांकि 108 पदों की स्वीकृति के बावजूद प्लांट के औपचारिक विलय का मामला अभी भी लंबित है।

पंजाब कांग्रेस में घमासान! सुरजेवाला से मिले चन्नी, आज वेणुगोपाल से करेंगे मुलाकात

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में पिछले करीब 15 दिनों से चल रहा सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने नई दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात की। इसके बाद दोपहर में चन्नी, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और विधायक परगट सिंह की कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक को पंजाब कांग्रेस के मौजूदा विवाद के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चन्नी खेमा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है। चन्नी के साथ सुखजिंदर सिंह रंधावा,

विधायक राणा गुरजीत सिंह समेत 15 से 20 वरिष्ठ नेता एकजुट हैं और प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की मांग कर रहे हैं। हाई कमान नहीं बदलेगा फैसला हालांकि पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि हाईकमान के फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा और नेतृत्व परिवर्तन का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके बावजूद चन्नी खेमे की लगातार सक्रियता के कारण दिल्ली में होने वाली बैठकों पर सबकी नजरें टिकी हैं। पार्टी के भीतर यह भी चर्चा है कि यदि दबाव की राजनीति जारी रही तो कांग्रेस हाईकमान संगठनात्मक अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपना सकता है। राहुल गांधी की मुलाकात की संभावनाएं बनीं दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के नाम की भी चचाएं चल रही हैं, हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने के बाद राहुल गांधी भी पंजाब कांग्रेस के नेताओं और चन्नी समर्थक खेमे के साथ अलग से बैठक कर सकते हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली में लगातार हो रही बैठकों के बाद पंजाब कांग्रेस में जारी खींचतान पर अंतिम रणनीति तय की जा सकती है। फिलहाल सभी की निगाहें गुरुवार को केसी वेणुगोपाल के साथ होने वाली बैठक के नतीजों पर टिकी है।

चंडीगढ़ में 84 वर्षीय बुजुर्ग को कल अदालत सुनाएगा सजा, 10 साल की बच्ची से छेड़छाड़ मामले में दोषी करार

चंडीगढ़। 10 साल की बच्ची से शारीरिक छेड़छाड़ करने वाले 84 वर्षीय एक बुजुर्ग को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दोषी करार दिया। सजा पर शुक्रवार को फैसला होगा। अदालत के आदेश पर पुलिस ने दोषी को हिरासत में ले लिया और उसे बुड़ैल जेल भिजवा दिया गया। बुजुर्ग ने पड़ोस में रहने वाली एक बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने बुलाया और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की थी। उसके खिलाफ दो साल पहले आईटी पार्क थाना पुलिस ने केस दर्ज किया था। अभी तक वह जमानत पर था, लेकिन दोषी करार होते ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कम से कम पांच वर्ष होगी सजा अदालत अगर दोषी को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत सजा सुनाती है तो उसे कम से कम पांच साल की कैद होगी। पॉक्सो एक्ट की धारा 10 के तहत न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रविधान है। सजा के साथ दोषी पर जुमार्ना भी लगाया जाता है। डेढ़ साल में आया फैसला यह मामला नवंबर 2024 का है जब एक महिला ने आइटी पार्क थाना पुलिस को उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की शिकायत दी। महिला ने बताया था कि सात नवंबर 2024 को उसकी 10 साल की बेटी पड़ोस की एक दुकान पर दूध और ब्रेड लेने गई थी। उसकी बेटी ने वापस आकर मां को बताया कि दुकानदार ने चॉकलेट देने के बहाने उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। ऐसे में पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोषी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। जनवरी 2025 में स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रायल शुरू हुआ।

मोहाली में ओरल कैंसर का खतरा, 42 हजार लोगों की जांच; स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी को न करें नजरअंदाज

मोहाली। जिले में ओरल कैंसर के खतरे को ध्यान में रखते हुए इस बीमारी की समय रहते पहचान सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग का विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया है। करीब 9 लाख लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य रखा है। अब तक 42 हजार लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें सात लोगों में ओरल कैंसर की पुष्टि हुई है। इनमें से चार मरीजों का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि शुरूआती चरण में बीमारी का पता चलने से इलाज सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। फेज-6 स्थित मेडिकल कॉलेज एवं सिविल अस्पताल की डेंटिस्ट डॉ. हरप्रीत कौर ने बताया ओरल कैंसर भारत में तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में शामिल है। अधिकांश मरीज तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी काफी बढ़ चुकी होती है। यही कारण है कि जिले में घर-घर और स्वास्थ्य

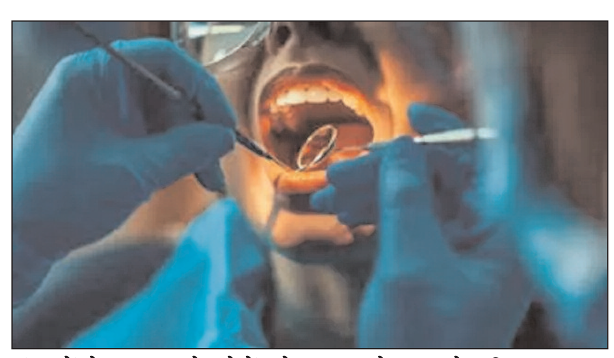

संस्थानों के माध्यम से लोगों को स्क्रीनिंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तंबाकू, गुटखा, खैनी, जर्दा, सुपारी, बीड़ी, सिगरेट और शराब का लगातार सेवन ओरल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। लंबे समय तक इनका सेवन करने वाले लोगों में इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को नियमित रूप से ओरल कैंसर की जांच कराने की सलाह दी जा रही है। डॉ. हरप्रीत ने बताया कि यदि मुंह का छाला दो सप्ताह से अधिक समय तक ठीक नहीं होता, मुंह या जीभ पर सफेद या लाल धब्बे दिखाई दें, मुंह खोलने, चबाने या निगलने में परेशानी हो, जीभ या मुंह में गांठ या लगातार दर्द बना रहे अथवा बिना कारण मुंह से खून आए तो इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत सरकारी अस्पताल या दंत चिकित्सक से जांच करानी चाहिए। वहीं जिले के सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में ओरल कैंसर की प्रारंभिक स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध है। जांच के दौरान संदिग्ध मरीजों को आगे की जांच और उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाता है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि महीने में कम से कम एक बार शीशे के सामने अपने मुंह की स्वयं जांच करें और हर छह महीने में एक बार दंत चिकित्सक से जांच अवश्य कराएं। विशेष रूप से तंबाकू का सेवन करने वाले या पहले कर चुके लोगों को नियमित स्क्रीनिंग करानी चाहिए। विभाग ने यह भी कहा कि तंबाकू छोड़ना ही ओरल कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज दो सप्ताह से अधिक समय तक मुंह का छाला ठीक न होना। मुंह या जीभ पर सफेद, लाल या मिश्रित रंग के धब्बे। मुंह खोलने, चबाने या निगलने में परेशानी। जीभ या मुंह में गांठ, सख्ती या लगातार दर्द।

लुधियाना के खन्ना में मनरेगा कर्मचारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज, दागे आंसू गैस के गोले; कई प्रदर्शनकारी घायल

खन्ना। राज्यस्तरीय प्रदर्शन के दौरान मनरेगा कर्मचारियों और मजदूरों ने जब खन्ना स्थित पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंध के आवास की ओर कूच किया तो पुलिस ने पहले बैरिकेड लगाकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारियों के आगे बढ़ने पर वाटर कैनन का प्रयोग किया, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में लाठीचार्ज किया। इस कार्रवाई में कई कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी शामिल हैं। पंजाबभर से हजारों मनरेगा कर्मचारी और मजदूर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर खन्ना के प्रेम भंडारी पार्क में एकत्र हुए थे। सभा में स्थायी नियुक्ति, लंबे समय से लंबित वेतन के भुगतान और अन्य मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी जुलूस की शक्ल में अमलोह रोड स्थित पंचायत मंत्री के आवास की ओर बढ़े। मंत्री के आवास के बाहर तैनात था भारी पुलिस बल प्रशासन ने पहले से ही मंत्री आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर रखा था और रास्ते में बैरिकेडिंग की गई थी। प्रदर्शनकारियों द्वारा बैरिकेड पार करने की कोशिश के दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच धक्का-मुक्की व तीखी नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। कार्रवाई के दौरान कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। घायलों को मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। यूनियन नेताओं ने पुलिस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि मनरेगा कर्मचारी पिछले 18 वर्षों से ग्रामीण विकास कार्यों में योगदान दे रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें नियमित नहीं किया गया और समय पर वेतन भी नहीं मिल रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द समाधान नहीं निकाला तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। राजा वड़िंग ने सरकार को घेरा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष एवं लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि अपनी बकाया मजदूरी की मांग कर रहे श्रमिकों पर आंसू गैस और लाठीचार्ज करना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि मेहनतकश लोगों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करना सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक गुरकीरत सिंह कोटली ने भी पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर बल प्रयोग किया गया और प्रदर्शन स्थल पर टेंट व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में भी बाधा डाली गई। उन्होंने कहा कि आठ महीने की लंबित मजदूरी मांग रहे मजदूरों पर बल प्रयोग सरकार की संवेदनहीनता को दशार्ता है। मनरेगा कर्मचारियों पर पुलिस कार्रवाई निंदनीयः यादू शिरोमणि अकाली दल के हलका प्रभारी यादविंदर सिंह यादू ने मनरेगा कर्मचारियों और मजदूरों पर हुई पुलिस कार्रवाई की निंदा की।

बिजली व्यवस्था पर इंजीनियरों की चेतावनी, स्टाफ और तकनीकी संकट नहीं सुलझा तो कभी भी बिगड़ सकते हालात

चंडीगढ़। पंजाब में बिजली व्यवस्था को लेकर राज्य विद्युत निगम के इंजीनियरों ने गंभीर चिंता जताई है। पंजाब राज्य बिजली इंजीनियर्स एसोसिएशन ने निगम के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को पत्र भेजकर चेतावनी दी है कि यदि लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो बिजली व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। एसोसिएशन का कहना है कि स्टाफ की भारी कमी, तकनीकी खामियां और लगातार बढ़ते कार्यभार के कारण फील्ड स्तर पर हालात चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए

गए तो व्यवस्था कभी भी चरमरा सकती है। 15 जुलाई को भेजे गए पत्र में एसोसिएशन ने कहा कि इंजीनियर लगातार बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन की ओर से लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।पत्र में बताया गया कि बिजली कटौती और बिलिंग संबंधी शिकायतों के लिए इंजीनियरों को मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है, जबकि कई समस्याएं उनके नियंत्रण से बाहर हैं। तकनीकी खामियों से बढ़ा बिजली व्यवस्था संकट एसोसिएशन ने नए बिलिंग सिस्टम को गंभीर परिचालन समस्या बताते हुए कहा कि इससे राजस्व पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। साथ ही 1912 काल सेंटर में पर्याप्त कर्मचारियों की कमी के कारण फील्ड इंजीनियरों को उपभोक्ताओं की शिकायतें भी स्वयं संभालनी पड़ रही हैं। मोबाइल एप, एमडीएम और ईआरपी से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी अब तक दूर नहीं हो सकी हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बावजूद नई भर्ती पर्याप्त नहीं हुई है। सहायक अभियंताओं की पदोन्नति सहित कई लंबित मामलों का भी निस्तारण नहीं किया गया। आवश्यक सामग्री की कमी से नए बिजली कनेक्शन जारी करने, उपकरण बदलने और रखरखाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

क्या आपका वाहन भी ई-20 पेट्रोल से हो रहा खराब? सीएम मान ने खोला मोर्चा, एएपी ने पीएम के सामने रखी दो मांगें

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर एक वीडियो संदेश जारी कर केंद्र सरकार से लोगों के हित में फैसला लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहनों से लेकर अन्य वाहनों तक, बड़ी संख्या में लोग ई-20 पेट्रोल के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं। कई वाहन चालकों की शिकायत है कि इससे उनके वाहनों के संचालन पर असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर दो प्रमुख मांगें रखी हैं- पहली मांग यह है कि लोगों को ई-20 पेट्रोल के साथ शुद्ध पेट्रोल का भी विकल्प दिया जाए, ताकि हर व्यक्ति अपने वाहन के अनुसार ईंधन चुन सके। दूसरी मांग ई-20 पेट्रोल के दाम तुरंत कम करने की है, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। वेबसाइट पर सहमति दर्ज करने की अपील मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर आम लोगों की आवाज को केंद्र सरकार

तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए जन समर्थन अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक वाहन चालकों और नागरिकों की राय को एक मंच पर लाना है, ताकि सरकार को यह पता चल सके कि बड़ी संख्या में लोग इस विषय पर अपनी चिंताएं जता रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे stopE20petrol.com पर जाकर ऑनलाइन याचिका का समर्थन करें और अपनी सहमति दर्ज कराएं। उनका कहना था कि जितने अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ेंगे, उतनी ही मजबूती से जनता की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचेगी और सरकार पर इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने का दबाव बनेगा। आम लोगों से जुड़ा मामला मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि ई-20 पेट्रोल का मुद्दा सीधे आम लोगों के दैनिक खर्च और उनके वाहनों के संचालन से जुड़ा हुआ है। यदि लोगों को किसी नई व्यवस्था से परेशानी हो रही है तो उनकी चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द उचित निर्णय लेने की अपील की। हालांकि, मुख्यमंत्री की मांगों और उनके वीडियो संदेश पर केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रात के अंधेरे में अवैध मिट्टी खनन का काला कारोबार, दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दौड़ीं, सड़क पर फैली मिट्टी बनी हादसे का कारण

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला बढ़ापुर-नगीना मार्ग से सामने आया है, जहां रात के अंधेरे में दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कथित तौर पर अवैध मिट्टी खनन का काला कारोबार चलने का आरोप लगाया गया है। इतना ही नहीं, ट्रॉलियों से सड़क पर मिट्टी पलट जाने से राहगीरों के लिए हादसे का खतरा भी पैदा हो गया है। जानकारी के अनुसार बढ़ापुर-नगीना मार्ग पर रात के समय दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मिट्टी का

परिवहन करती नजर आईं। आरोप है कि यह मिट्टी अवैध खनन के माध्यम से लाई जा रही थी। ट्रॉलियों से सड़क पर जगह-जगह मिट्टी गिरने से मार्ग फिसलन भरा हो गया है, जिससे आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय लगातार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का संचालन होता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और सड़क पर पड़ी मिट्टी को हटवाने की मांग की है।फिलहाल यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और अवैध खनन के आरोपों की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है।

मंडी समिति के पास डंपर ने युवक को कुचला, हालत गंभीर, हायर सेंटर रेफर

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- कोटद्वार रोड पर मंडी समिति के पास बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने एक युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। वहीं गुस्साए स्थानीय लोगों ने डंपर को घेर लिया, लेकिन चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जाब्ता गंज निवासी कासिफ पुत्र वासिफ मंडी समिति से कोटद्वार रोड स्थित सीहोर पैदल जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक डंपर संख्या uk08ca7222 ने उसे कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर पहुंचाया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने डंपर को घेर लिया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। नवीन मंडी चौकी प्रभारी एसआई कयूम अली ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। डंपर द्वारा युवक को कुचले जाने की पुष्टि हुई है। घायल की हालत गंभीर होने के चलते डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद उच्च उपचार के लिए बिजनौर रेफर कर दिया है। घायल युवक के पिता ने बताया कि उनका बेटा नमाज पढ़कर घर जा रहा था, तभी पीछे से डंपर ने उसे कुचल दिया।

पीड़ित परिवार द्वारा पुलिस को तहरीर दी जा रही है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल मौके पर पुलिस बल तैनात है और मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात कार की टक्कर से बुजुर्ग बाइक सवार की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के कस्बा मण्डावर में मंडावर-बलावली मार्ग पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की अज्ञात कार की टक्कर लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अजमल पुत्र शराफत (70 वर्ष), निवासी ग्राम चितौनी के रूप में हुई है। बताया गया कि अजमल बाइक से नांगलपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए दुर्घटना में शामिल कार को कब्जे में ले लिया है।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में 17 जुलाई को प्रस्तावित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद भ्रमण को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट स्थित विदुर सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड की सभी व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण करने, साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और

झाड़ियों की कटाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल, शौचालय, मोबाइल टॉयलेट, एंबुलेंस और मेडिकल टीम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने संबंधित विभागों को लोकार्पण एवं शिलान्यास परियोजनाओं की सूची, लाभार्थियों की सूची तथा प्रमाण पत्र, टूलकिट और चेक वितरण की सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाने के भी निर्देश दिए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके।बैठक में अपर जिलाधिकारी,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मुकुल ने किया जनपद बिजनौर का नाम रोशन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के रहने वाले मुकुल कुमार ने रोप स्किपिंग (रस्सी कूदना) खेल में असाधारण प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने आंखों पर पट्टी बांधकर (Blindfolded) सबसे तेज एक पैर से रस्सी कूदने का बड़ा रिकॉर्ड बनाया है।मुकुल कुमार ने अपनी शानदार फिटनेस और कड़ी मेहनत के दम पर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। उमुकुल ने आंखों पर पट्टी बांधकर केवल 30 सेकंड में एक पैर से 84 बार रस्सी कूदी।मुकुल ने बिजनौर स्थित 'वैनिला स्पोर्ट्स एंड फिटनेस सेंटर'

में अभ्यास कर यह मुकाम हासिल किया है। बिजनौर के यूनिवर्सल एकेडमी ने अपने पूर्व छात्र मुकुल कुमार को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान पाने पर सम्मानित किया। मुकुल ने इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की वेबसाइट पर किया था। इस प्रतियोगितामें मुकुल कुमार ने अपनी दाहिनी टांग से 30 सेकंड में आंखों पर पट्टी बांधकर 84 स्टेप एक-पैर से रस्सी कूद लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया। इसके परिणाम स्वरूप आज मुकुल कुमार ने सोशलमीडिया , गूगल पर अपनी पहचान बनाई है।मुकुल का सपना है इस खेल के माध्यम से अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड मे दर्ज कराना चाहता है। स्कूल के पूर्व छात्र को स्कूल प्रबंधन ने 11 हजार रुपए का चेक देकर सम्मानित किया है। स्कूल के प्रधानाचार्य ने मुकुल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जेसीबी की टक्कर से युवक की मौत, महिला घायल

पिता को अस्पताल से छुट्टी दिलाने जा रहा था, चार माह पहले हुई थी शादी

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना रोड स्थित मोहित पेट्रोकेमिकल के सामने गुरुवार को जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे से आक्रोशित परिजनों ने मौके पर हंगामा किया, जिन्हें पुलिस ने समझाकर शांत कराया। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव बांकपुर पामडावली निवासी अश्वनी (22)

पुत्र विजय सिंह गुरुवार पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे अपनी रिश्तेदारी की महिला डोली निवासी बकली के साथ बाइक से जिला अस्पताल जा रहा था। बताया गया कि उसके पिता अस्पताल में भर्ती थे और उन्हें छुट्टी दिलाकर घर ले जाना था। मोहित पेट्रोकेमिकल के सामने पहुंचने पर बाइक की फैक्ट्री परिसर से निकल रही जेसीबी से टक्कर हो गई। हादसे में अश्वनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डोली गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और फैक्ट्री की लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात सुचारु कराया। परिजनों के अनुसार अश्वनी शहर कोतवाली क्षेत्र के बकली में मोबाइल की दुकान संचालित करता था। उसकी शादी चार माह पूर्व ही हुई थी। वह दो बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व मंत्री कपिल देव अग्रवाल से एपेक्स हॉस्पिटल प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

बिजनौर (सब का सपना):- एपेक्स हॉस्पिटल, बिजनौर के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री माननीय बृजेश पाठक तथा माननीय कपिल देव अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट कर जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर एपेक्स हॉस्पिटल के स्वामी डॉ. नितिन गोयल एवं संचालक श्री नदीम अहमद ने अस्पताल द्वारा बिजनौर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं

जनहित में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

माननीय मंत्रियों ने डॉ. नितिन गोयल एवं उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं के और अधिक विस्तार तथा अस्पताल से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक सहयोग का आश्वासन भी दिया।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने दोनों मंत्रियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

यह शिष्टाचार भेंट जनपद बिजनौर में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं जनहितकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

लापता किशोर के परिजनों से मिले सांसद चंद्रशेखर, हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्रशेखर गुरुवार को किरतपुर पहुंचे और मालन नदी में छह दिन पूर्व हुए दर्दनाक हादसे में लापता किशोर के परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि छह दिन पहले मालन नदी में नहाने गए तीन युवकों में से एक घटना के दिन ही सकुशल बरामद हो गया था, जबकि दूसरे युवक का शव बाद में मिला। तीसरा किशोर अब भी लापता है। प्रशासन, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की

टीम लगातार तलाश में जुटी थी लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। इस दुखद घटना से पूरे किरतपुर नगर में शोक का माहौल है। सांसद चंद्रशेखर ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि उनके साथ पूरा समाज खड़ा है और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने प्रशासन से भी खोज अभियान में पूरी गंभीरता के साथ प्रयास जारी रखने की अपेक्षा जताई।

उल्लेखनीय है कि घटना के बाद से नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल मन्नान और नगीना विधायक मनोज पारस लगातार मौके पर मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन शहजाद अहमद, मोहम्मद आरिफ मलिक, सरफराज मलिक, नवीन भारती, एडवोकेट अशरफ जमील, डॉ. मोअजिज यार खान, साहिल मेहरा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ओवरलोड से बढ़ी ट्रिपिंग, उपभोक्ता परेशान

विद्युत विभाग ने की अपील, रात में अनावश्यक बिजली उपकरणों का उपयोग न करें

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर क्षेत्र में इन दिनों बढ़ते विद्युत लोड के कारण बार-बार ट्रिपिंग की समस्या से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात्रि के समय बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, वहीं कई उपभोक्ताओं ने विद्युत उपकरणों के खराब होने की शिकायत भी की है। विद्युत विभाग ने धामपुर टाउन के सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि रात्रि में अनावश्यक विद्युत उपकरणों का उपयोग करने से बचें। विभाग का कहना है कि अत्यधिक बिजली खपत के कारण फीडरों पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है, जिससे फीडर ओवरलोड होकर ट्रिप कर जाते हैं और विद्युत आपूर्ति बाधित होती है। विभाग के अनुसार बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता तथा लाइन स्टाफ दिन-रात कार्य कर रहे हैं। बावजूद इसके बढ़ते लोड के कारण फीडरों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि आवश्यकता होने पर ही बिजली उपकरणों का उपयोग करें, ताकि ट्रिपिंग की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सके। उधर, उपभोक्ताओं का कहना है कि रात के समय बार-बार होने वाली ट्रिपिंग से उन्हें भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उनका आरोप है

कि लगातार बिजली आने-जाने से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब होने का खतरा बढ़ गया है। उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग से व्यवस्था में सुधार कर निर्बाध एवं सुचारु बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

श्री राधा अष्टनाथ सेवा संस्थान ट्रस्ट के मार्गदर्शन में सुनारों वाली गली एवं बूरा बाजार में चला गौ सम्मान आह्वान अभियान का हस्ताक्षर अभियान

बुलंदशहर (सब का सपना):- श्री राधा अष्टनाथ सेवा संस्थान ट्रस्ट के मार्गदर्शन में संचालित "गौ सम्मान आह्वान अभियान" के अंतर्गत गुरुवार को बुलंदशहर के सुनारों वाली गली एवं बूरा बाजार क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर दासानुदास अतुल कृष्णदास (गौ भक्तमाली) जी महाराज ने कहा कि "गौ माता का अपमान नहीं सहेंगे, गौ हत्या बंद करेंगे"। गौ माता का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगना समय की आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि वह गौ सम्मान आह्वान अभियान से जुड़कर गौ

माता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए अपना योगदान दे। हस्ताक्षर अभियान का संचालन दासानुदास अतुल कृष्णदास (गौ भक्तमाली) जी महाराज, मधुर श्याम गुप्ता, चिन्मय कौशिक, केशव गर्ग, सचिन अग्रवाल, टीकाराम एवं राकेश गर्ग ने संयुक्त रूप से किया। सभी ने क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

श्री राधा अष्टनाथ सेवा संस्थान ट्रस्ट ने जनसामान्य से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर गौ माता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए अपना नैतिक एवं सामाजिक दायित्व निभाएं।

पीर के बाजार मोड़ पर कार और पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत, बड़ा हादसा टला

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुरझ मुरादाबाद रोड स्थित पीर के बाजार मोड़ पर बुधवार को एक कार और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वाहन मुरादाबाद से नजीबाबाद की ओर जा रहा था, जबकि कार धामपुर की ओर से आ रही थी। आरोप है कि

पिकअप चालक रॉन्ग साइड में आ गया, जिससे दोनों वाहनों की सीधी भिड़ंत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। कार में सवार दो महिलाएं और दो पुरुष, जो शेरकोट से अपने गांव खलीलपुर लौट रहे थे, हादसे में मामूली रूप से घायल हुए। राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है। फिलहाल सभी घायलों की हालत सुरक्षित बताई जा रही है।

जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।

हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।

पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए

शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

जानकारी

कहीं आपके वजन बढ़ने का ये कारण तो नहीं

रिसर्च में सामने आई चौंकाने वाली वजह

वजन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। कई बार लोगों के खाने-पीने की आदत, उनकी लाइफस्टाइल यहां तक कि उनके सोने के तरीके भी वजन बढ़ने के कारण हो सकते हैं, लेकिन हाल ही में एक स्टडी सामने आई है जिसने बताया है कि वजन बढ़ने का एक छुपा हुआ कारण और हो सकता है जो आपके स्वास्थ्य पर काफी असर डालता है। ये मेटाबॉलिज्म से लेकर आपके घर के वातावरण तक पर निर्भर करता है।

ये बात जगजाहिर है कि पॉल्यूशन वाली हवा हमारे फेफड़ों और दिल पर असर करती है। ज्यादा लंबे समय तक प्रदूषण का असर अगर हमारे आस-पास के वातावरण में पड़ता है तो स्वास्थ्य से जुड़ी कई बड़ी समस्याएं हो जाती हैं। जैसे किडनी की समस्या, अस्थमा, आंखों की समस्या, श्वास संबंधित रोग आदि। इतना ही नहीं प्रदूषण से हमारे शरीर में मौजूद कैंसर सेल भी एक्टिव हो सकते हैं। ऐसे में अगर मैं आपको कहूं कि यही प्रदूषण आपको मोटा भी बना रहा है तो? मोटापे का कारण प्रदूषण भी हो सकता है और हाल ही में हुई एक रिसर्च इसके बारे में बता रही है।

क्या कहती है रिसर्च

- एक स्टडी पब्लिश की गई है। ये बता रही है कि वायु प्रदूषण का असर हमारे वजन पर पड़ता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर ये रिसर्च की और इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं।
- कुछ रिसर्च प्रेग्नेंट चूहों और उनके बच्चों पर भी की गई। ऐसे चूहों को पॉल्यूशन वाली जगह पर रखा गया और साथ ही साथ कुछ चूहों को साफ जगह पर रखा गया। 19 दिनों तक उन्हें ऐसी जगह रखने के बाद ये नतीजे सामने आए।
- जिन चूहों को प्रदूषण वाली जगह रखा गया था उनके लंग्स सूजे हुए थे
- उनका कोलेस्ट्रॉल 50 प्रतीशत बढ़ जाता है
- उनका इंसुलिन लेवल भी बढ़ा हुआ था।

इसके अलावा, जिन चूहों को प्रदूषण वाली जगह रखा गया था उनका वजन 8 हफ्तों बाद बढ़ गया था। ये समस्या सभी उम्र के चूहों में सामने आई। साथ ही जिन्हें साफ हवा में रखा गया था उनके साथ ऐसी कोई समस्या नहीं आई। दोनों तरह के चूहों को एक जैसा खाना ही दिया गया था और इसलिए ये निष्कर्ष निकला कि प्रदूषण से स्किन को नुकसान, लंग्स को नुकसान, बालों को नुकसान ही नहीं बल्कि हमारे मेटाबॉलिज्म को नुकसान भी होता है और ये वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

इसका नतीजा ये भी रहा है कि लंग्स में सूजन के कारण उनका वजन बढ़ने लगा है। यही कारण है कि ज्यादा लंबे समय तक अगर लोग प्रदूषण में रहते हैं तो उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके वजन पर भी असर पड़ता है। तो अब आप समझ गईं कि डायटिंग करने के बाद भी अगर आपका वजन कम नहीं हो रहा है तो उसका एक कारण ये भी हो सकता है।

पहली बार स्पा जाने या बॉडी मसाज करवाने से पहले जान लें ये बातें

बॉडी मसाज या बॉडी स्पा को लेकर लोगों की अलग-अलग घारणा होती है। कई बार लोग सिर्फ इसलिए नहीं जाते, क्योंकि उन्हें ये नहीं पता होता कि मसाज में आखिर होता क्या है। पर बॉडी मसाज और स्पा आपके शरीर के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। अगर बहुत ज्यादा स्ट्रेस हो या फिर आपको लग रहा हो कि शरीर में कहीं दर्द है तो ऐसे में बॉडी मसाज काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। स्पा ट्रीटमेंट से भी शरीर के टिशू में फर्क पड़ सकता है और ये आपको रिलैक्स कर देगा। आप स्पा के साथ स्टीम बाथ, थर्मल स्पा आदि ले सकती हैं और बॉडी मसाज में तो सिर्फ शरीर की मसाज ही होगी। पर अगर आप पहली बार ये करवाने जा रही हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये टिप्स आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

कपड़ों का रखें ध्यान

मसाज करवाने से पहले अपने कपड़ों का ध्यान रखें। ऐसे कपड़े न पहनें जिनमें तेल का दाग लगने का खतरा हो क्योंकि इसके बाद आपके शरीर में काफी ऑयल आएगा। वैसे तो मसाज के वक्त डिस्पोजेबल पैंटी वगैराह आपको दी जाती है, लेकिन फिर भी अगर आपको लगता है कि आपको अपने ही अंडरगार्मेंट्स में मसाज करवाना है तो थोड़ा ढीला पहनिए। अंडरगार्मेंट्स का खयाल रखना बहुत जरूरी है क्योंकि हो सकता है कि मसाज के बाद ज्यादा टाइट अंडरगार्मेंट्स से आपको तकलीफ हो जाए। मसाज के बाद कई लोगों का शरीर थोड़ा सूझ भी जाता है और लाला हो जाता है क्योंकि स्किन पर प्रेशर पड़ता है इसलिए आपको ध्यान रखना चाहिए कि कपड़े ज्यादा टाइट न हों।

मसाज के पहले खाना न खाएं

ये बहुत ही बेसिक टिप है, लेकिन अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर जाते हैं। मसाज के कारण पूरे शरीर पर प्रेशर पड़ता है और अगर आपने 1 घंटे पहले काफी भारी खाना खाया है तो आपके शरीर से गैस निकल सकती है या फिर आपको अपच हो सकती है। इसी के साथ, अगर ज्यादा प्रेशर वाली थेरेपी वाली मसाज करवा रही हैं तो हो सकता है कि मसाज करवाते समय ही उल्टी आ जाए। मसाज के कम से कम दो-ढाई घंटे पहले से ही कोई बहुत ज्यादा भारी खाना न खाएं। इसके अलावा, ये भी ध्यान रखें कि मसाज के पहले पानी का सेवन कम करें। मसाज के फायदे बहुत हैं, लेकिन इसके लिए पेट का थोड़ा खाली रहना भी जरूरी है।

मसाज के पहले नहा लें

वैसे तो लोग अक्सर स्पा या मसाज के बाद नहाते हैं, लेकिन आपको पहले नहाना चाहिए। अगर आपके पास नहाने का समय नहीं है तो आप खुद को वाइप्स से साफ कर सकते हैं। इससे होगा ये कि पसीने और गंदगी के कारण आपके शरीर में तेल का असर कम नहीं होगा और आपका स्पा ट्रीटमेंट या फिर बॉडी मसाज अच्छे से हो पाएगा। हां, ऐसा कर सकती हैं कि मसाज लेने के थोड़ी देर बाद तक न नहाएं और थेरेपी वाला तेल शरीर में ऑब्जर्ब होने दें।

किस तरह की मसाज चाहिए ये सुनिश्चित करें

ऐसा नहीं है कि कोई भी स्पा या कोई भी बॉडी मसाज ले ली जाए तो समस्या ठीक हो जाती है। पर गलत मसाज से हो सकता है कि तकलीफ हो जाए। अगर आपको ये नहीं समझ आ रहा कि किस तरह की मसाज की जाए तो आप स्पा वालों से बात कर सकती हैं। किस तरह का तेल इस्तेमाल किया जाए। किस तरह का प्रेशर शरीर पर डाला जाए। किस तरह शरीर के लिए आरामदायक स्थिति रखी जाए ये सब कुछ निर्भर करता है इस बात पर कि आपने कौन सा मसाज करवाया है। हमेशा ये ध्यान रखें कि अगर स्पा करवा रही हैं तो कोई एक्सपर्ट हो जिसके पास लाइसेंस हो। हमेशा किसी अच्छी जगह से ही स्पा करवाना चाहिए।

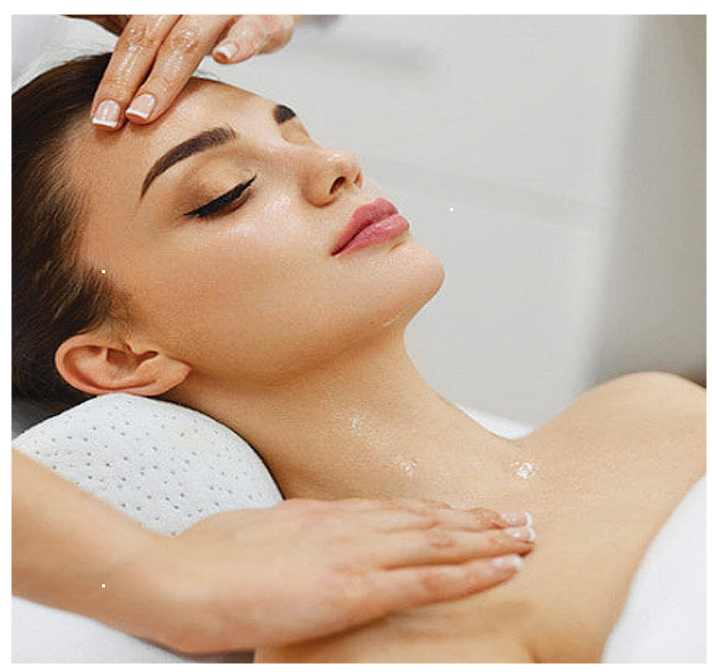

अपनी एलर्जी के बारे में बताएं

अक्सर लोगों से ये गलती हो जाती है कि वो अपनी एलर्जी या अपनी समस्या के बारे में नहीं बताते हैं। कई लोगों की सेंसिटिव स्किन होती है तो उन्हें कोई हार्ड लोशन या बॉडी मॉइश्चराइजर से भी दिक्कत हो सकती है। कुछ लोगों को कुछ खास तरह के तेल से दिक्कत होती है। ऐसे में आपको मसाज करवाने से पहली अपनी एलर्जी के बारे में पहले से बताना चाहिए। अगर आपने अपने थेरेपिस्ट को नहीं बताया है तो हो सकता है कि इसके बाद कोई दिक्कत हो जाए या स्किन में जलन आदि लगे। या फिर सूजन ज्यादा बढ़ जाए। ऐसा करने से पहले ध्यान दें।

सेहत

अनार के बीज' से बने Lip Mask से पाएं गुलाबी होंठ

सर्दियों का मौसम वैसे तो बेहद लुभावना होता है। मगर, इस मौसम में त्वचा में रूखापन आ जाता है और त्वचा फटने लगती है। वैसे तो इस मौसम में शरीर की हर भाग की त्वचा रूखी हो जाती हैं मगर, सब से ज्यादा ड्रायनेस होंठों पर आती है। इस मौसम पर यदि होठों का ध्यान न रखा जाए और उनकी केयर ठीक से न की जाए तो होंठ ड्राय होकर फटने लगते हैं। ऐसे में बाजार में बहुत सारे प्रोडक्ट्स आते हैं जो होंठों की मुलायमियत को बनाए रखते हैं। मगर, यह टेम्प्रेरी होते हैं। जब तक आप इनका यूज करेंगी तब तक यह आपके होठों को मुलायम रखेंगे और जैसे ही आप इन्हें लगाना बंद कर देंगी वैसे ही आपके होंठ ड्राए होकर फटने लगेंगे। कई बार इन प्रोडक्ट्स से होठों के रंग पर भी असर पड़ता है। यह प्रोडक्ट्स आपके होंठों को डार्क भी कर सकते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आप के होंठ फटे भी नहीं और गुलाबी भी बने रहें, तो आपको इसके लिए दादी मां का यह नुस्खा जरूर अपनाना चाहिए। आप अपने घर पर ही अनार के बीज का लिप मास्क बना कर अपने होंठो को फटने और डार्क होने से बचा सकती हैं। तो चलिए हम आपको बताते हैं कि घर पर आप अनार की बीज का लिप मास्क कैसे बना सकती हैं।

सामग्री

अनार के बीज क्रश किए हुए

1 छोटा चम्मच मलाई

विधि

आपको सबसे पहले एक अनार लेना है और उसका जूस निकालना है।

जूस को अलग करें और उसके क्रश्ड बीजों को अलग निकाल लें।

इन्हें आप मलाई के साथ मिलाएं। ध्यान रखें मलाई ठंडी होगी तो बेहतर होगा।

इसके बाद आप इस पेस्ट को 10मिनट के लिए अपने होंठों पर लगा लें।

10मिनट बाद आपको अपने होठों को गुनगुने पानी से वॉश कर लेना है। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इस लिप मास्क को यूज कर सकती हैं आप जितनी बार होठों पर यह मास्क लगाएंगी उतना ही आपके होठों को फायदा मिलेगा। आपके होंठ गुलाबी होने के साथ सॉफ्ट होंगें और फटेंगे नहीं। जानिए आपके लिए कौन सी लिपस्टिक है बेहतर मैट, क्रीमी या ग्लॉसी?

आपको बता दें कि अनार के बीज आपके होठों की त्वचा को बहुत अच्छे से एक्सफोलिएट करते हैं और मलाई से होठों की स्किन को मॉइश्चराइजर मिलता है।

क्यों फटते हैं होंठ

- सर्दियों में होठों के फटने का कारण बेशक ठंडी हवा हो सकता है मगर, आमतौर पर जब आपके होंठ फटते हैं तो इसके कई कारण हो सकते हैं।
- अगर आप धूम्रपान करती हैं तो आपके होठों की त्वचा रूखी हो सकती हैं। चेहरे पर तुरंत ग्लो लाते हैं ये 5 लिपस्टिक शेड्स, एक बार जरूर ट्राई करें।
- अगर आप बहुत कम मात्रा में पानी पीती हैं तो आपको डिहाइड्रेशन की वजह से होठों के फटने की शिकायत हो सकती हैं।
- अगर आप ज्यादा चाय या कॉफी पीती हैं तो आपको ड्राय लिप्स की परेशानी हो सकती हैं, क्योंकि चाय और कॉफी में कैफीन की मात्रा ज्यादा होती हैं।
- अगर आप रात में लिपस्टिक लगाकर सो जाती हैं तो इससे भी आपके होठों को ऑक्सीजन नहीं मिलती और होठों की त्वचा रूखी हो जाती है। ऐसे में आपके होंठ फटने लगते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3950

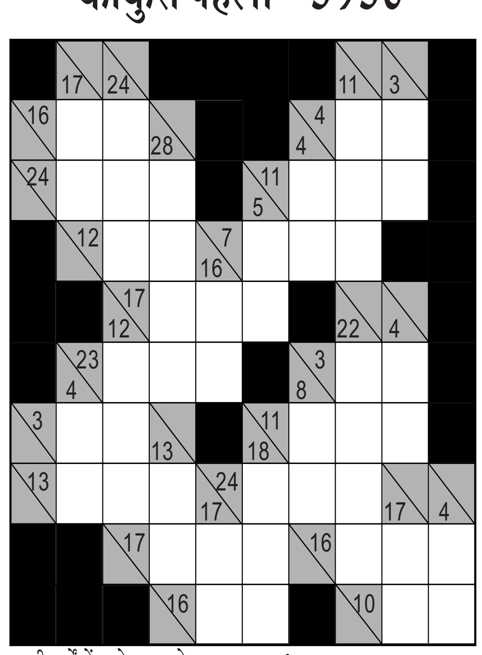

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

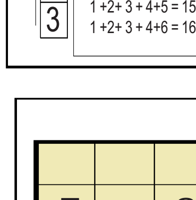

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3949 का हल

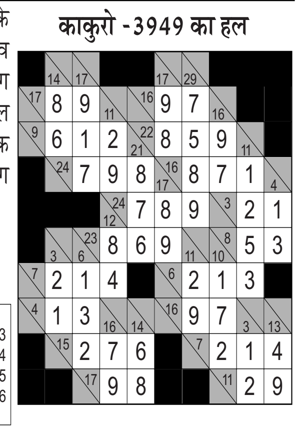

लॉफिंग ज़ोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3950

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3949

सूडोकु -3950

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3949 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3950

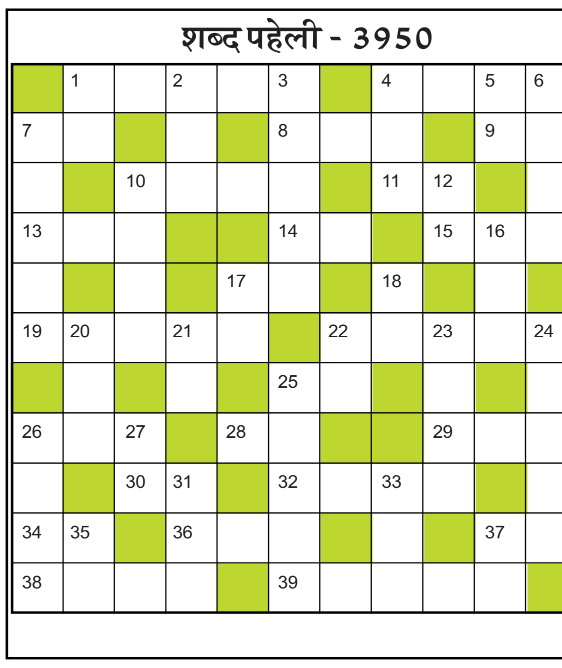

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -3949 का हल

अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर वेदांग रैना का बड़ा खुलासा

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आखिरी रिलीज फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म में वेदांग के अभिनय को भी काफी पसंद किया गया है। इसके साथ ही उनके रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हर कोई ये जानना चाहता है कि वेदांग सिंगल हैं या रिलेशनशिप में हैं। अब खुद वेदांग ने बताया है कि वो सिंगल हैं या नहीं?

सिंगल हैं वेदांग रैना

हाल ही में एचटी सिटी के साथ बातचीत में वेदांग रैना ने कंफर्म किया कि वो इन दिनों सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'अभी मैं सिंगल हूं।' हालांकि, इससे पहले उनका नाम एक्ट्रेस खुशी कपूर के साथ जोड़ा जा रहा था। लेकिन अब एक्टर के खुद को सिंगल बताने के बाद दोनों के ब्रेकअप को लेकर पुष्टि होती है। इस दौरान वेदांग ने ये भी बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति में सबसे पसंद दयालुता आती है। एक्टर का कहना है कि और भी खूबियां हैं, लेकिन अगर आप दयालु नहीं हैं, तो बाकी सब बेकार है।

अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं

वेदांग अभी भी अपनी हालिया रिलीज फिल्म के शानदार सफर को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब बहुत जबरदस्त रहा है। शुरुआती कुछ दिनों में तो बहुत कुछ हो रहा था। फिल्म के बारे में बहुत सी बातें कही जा रही थीं और अब इसे क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही बहुत प्यार मिल रहा है। जिन स्क्रीनिंग में हम गए, मैंने ऐसे रिएक्शन कभी नहीं देखे। मुझे लगा कि इसका कुछ तो असर जरूर होगा। फिल्म के शुरुआती बॉक्स-ऑफिस पर खराब प्रदर्शन से वे निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजनक था। फिर हालात बदले। मुझे लगता है कि इसी वजह से यह पूरी बात और भी खास हो जाती है। ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां ऐसा हुआ हो। मेरा यह भरोसा फिर से कायम हो गया कि अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं।

कृष्णावतारम सिर्फ फिल्म नहीं मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट है...

निर्देशक हार्दिक गज्जर की 'कृष्णावतारम पार्ट 1ः द हार्ट' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म भारत में 50 दिनों तक सिनेमाघरों में बनी रही और करीब 40 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म के भव्य विजुअल्स, भव्यता कहानी और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ सत्यभामा का किरदार भी दर्शकों को पसंद आया। यह भूमिका निभाने वाली संस्कृति जयना की पहली फिल्म है। खास बातचीत में उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म और सफर पर खुलकर बात की।

पहली फिल्म ने बदली जिंदगी

संस्कृति ने कहा... 'कृष्णावतारम पार्ट 1ः द हार्ट' की रिलीज के बाद मुझे जितना प्यार मिला है, वह मेरी कल्पना से कहीं अधिक है। कई लोगों ने सिर्फ मेरे अभिनय की ही नहीं, बल्कि सत्यभामा, श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मिणी जैसे दिव्य पात्रों के प्रति अपनी आस्था और भावनात्मक जुड़ाव भी साझा किया। मेरे लिए बड़ी बात यह है कि मैं मैं इन पात्रों तक दर्शकों की भावनाएं पहुंचाने का सिर्फ एक माध्यम बन सकी। यही मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है। पहली ही फिल्म की सफलता ने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी है। एक नए कलाकार के रूप में जिस तरह का प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता मिली, उसने मुझे भावुक कर दिया। जब लोग मेरे निभाए किरदार को दिल से अपनाते हैं, तो लगता है कि मेरी मेहनत सफल हुई है। मेरे लिए यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा उपहार है।'

असली सेट्स ने बढ़ाया फिल्म का भव्यपन

उन्होंने कहा... 'लोग फिल्म के वीएफएक्स की काफी तारीफ कर रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका बड़ा हिस्सा वास्तविक सेट्स पर शूट किया गया है। हमारे लिए वृंदावन का पूरा गांव बनाया गया था और द्वारका का भी बेहद विशाल सेट तैयार किया गया था। बाद में वीएफएक्स की मदद से इन सेट्स का विस्तार किया गया।

आध्यात्मिक तैयारी की.....

उन्होंने आगे कहा... 'सत्यभामा का किरदार निभाने के लिए मैंने सिर्फ अभिनय की तैयारी नहीं की, बल्कि खुद को आध्यात्मिक रूप से भी तैयार किया। मैंने सत्यभामा से जुड़ी कई किताबें पढ़ीं और जिस पुस्तक पर यह फिल्म आधारित है, उसका भी गहराई से अध्ययन किया। इसके अलावा भगवद्गीता और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े कई ग्रंथ पढ़े।'

हॉलीवुड एक्टर की अधूरी ख्वाहिश पर बोले शेखर कपूर

क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का दर्शकों के बीच बेसब्री से इंतजार है। भारतीय दर्शकों में भी इस फिल्म के लिए उत्साह है। इसी के चलते क्रिस्टोफर फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में मुंबई आए। बीते दिन फिल्म का मुंबई में प्रीमियर हुआ। इस दौरान क्रिस्टोफर नोलन, प्रोड्यूसर एमा थॉमस और एक्टर मैट डेमन व टॉम हॉलैंड मौजूद रहे। सभी ने मीडिया से बात की। इस दौरान मैट डेमन ने भारतीय फिल्ममेकर शेखर कपूर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। शेखर ने अब इस पर रिएक्शन दिया है।

शेखर कपूर ने क्या कहा?

डैमन की बात सुनकर शेखर कपूर ने भी ऑस्कर विजेता इस एक्टर की उतनी ही तारीफ करते हुए जवाब दिया। डैमन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई ऐसा फिल्ममेकर होगा, जो मैट डैमन जैसे इमोशनल गहराई वाले एक्टर के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार न हो। 'गुड विल हंटिंग' फिल्म में रॉबिन विलियम्स के साथ उनका मशहूर सीन- 'इट्स नॉट योर फॉल्ट' भला कौन भूल सकता है'? शेखर कपूर ने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा, 'मैंने इसे शायद 1000 से ज्यादा बार देखा होगा और हर बार मेरी आंखों में आंसू आ गए। घटनाएं अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच घूमती रहती हैं, जबकि समय हमारी कल्पना में बनता है। इसलिए अब समय आ गया है कि मैट और मैं साथ मिलकर काम करें'।

मैट डेमन ने क्या कहा?

बता दें कि फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई प्रीमियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मैट डेमन से पूछा गया कि अगर उन्हें किसी भारतीय फिल्मकार के साथ काम करने का मौका मिले, तो वह किसे चुनेंगे? तो उन्होंने बिना देर किए शेखर कपूर का नाम लिया। मैट डेमन ने कहा, 'करियर की शुरुआत में जिस फिल्मकार के साथ हर कोई काम करना चाहता था, उनमें शेखर कपूर सबसे ऊपर थे। मुझे याद है कि मैं उनकी फिल्म 'द फोर फेदर्स' नहीं कर पाया था। उसे लेकर बहुत निराश था, क्योंकि उस समय मैंने 'बॉर्न' फिल्म साइन कर ली थी। इसलिए शेखर कपूर हमेशा मेरी सूची में रहे हैं'। अमेरिकी फिल्म 'द ओडिसी' में मैट डेमन, इथाका के पौराणिक राजा ओडिसियस की भूमिका में हैं।

आकांक्षा चमोला को लेकर रुबिना दिलैक का नया खुलासा

रुबिना दिलैक और आकांक्षा चमोला एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। इनका कई बार मिलना भी हुआ। एक बातचीत में रुबिना को आकांक्षा ने कहा था कि उसे बच्चे नहीं चाहिए क्योंकि उसके लिए उसका डॉग ही बच्चे जैसा है। यह बात सुनकर रुबिना थोड़ी चौंक गई थीं, क्योंकि वह उस वक्त गर्भवती थीं। रुबिना ने यह बातें अपने नए टॉक शो में कही हैं। इस टॉक शो में हिना खान भी नजर आ रही हैं। आकांक्षा के बारे में हुए इस खुलासे पर उन्होंने भी रिएक्शन दिया है।

टॉक शो में रुबिना ने जब आकांक्षा चमोला का बच्चों को लेकर नजरिया बताया तो हिना खान ने कहा, 'हां, कई लोग बच्चों से ज्यादा प्यार डॉग्स से करते हैं। यह तो बहुत बड़ी डिबेट है।' इस पर हिना के पति रॉकी कहते हैं कि यह कोई बड़ी डिबेट नहीं है, इंसानी बच्चे की तुलना आप जानवर के बच्चे से नहीं कर सकते हो।' यही बात रुबिना के पति अभिनव भी कहते हैं।

क्या है रुबिना और हिना के शो का कॉन्सेप्ट?

हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने एक नया टॉक शो शुरू किया। इसमें रुबिना और हिना खान के पति भी शामिल होते हैं। इस शो में सबसे पहले इन चारों ने आकांक्षा चमोला को लेकर बातचीत की, क्योंकि इन दिनों वह कंट्रोवर्सी से घिरी हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराजी को फटकार

रविवार को सोनाक्षी मुंबई में नवविवाहित आकांक्षा रंजन और डायरेक्टर शरण शर्मा की वेडिंग रिसेप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन एक खास वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया। वीडियो में जब सोनाक्षी रिसेप्शन से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रही थीं, तब पैपराजी लगातार उनकी फोटो और वीडियो ले रहे थे। इस पर सोनाक्षी ने कार में बैठने से मना कर दिया और वहीं खड़ी रहीं। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर नाराजगी जताई हो। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाई थी, जब वे उनके माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा के बहुत करीब आ गए थे और उन्हें कार में बैठने की जगह नहीं दे रहे थे। उस समय सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल और माता-पिता के साथ डिनर के बाद बाहर निकली थीं।

स्टार्स की कीमत जनता और प्रोड्यूसर्स बढ़ाते हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

श्रेयस तलपड़े के हार्ट अटैक का सदमा

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

रवीना और अक्षय के सीन्स पर बोले

रवीना टंडन और अक्षय कुमार के साथ वाले चर्चित दृश्यों पर वह मुस्कुराते हुए बोले, 'अक्षय और रवीना दोनों ही मेरे दोस्त हैं। मगर आज हमारी शादियां हो चुकी हैं, बच्चे बड़े हो चुके हैं। दोनों ने पूरी तरह किरदार निभाया। हमें पता था कि दर्शक इस सीन को अपने तरीके से देखेंगे और मजा लेंगे। (एक जमाने में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की अफेयर की खबरें थीं) वही हुआ। सेट पर जैकलीन फर्नांडिस और दिशा पत्नी के बीच कभी कोई कैट फाइट्स नहीं हुई। उल्टा वो दोनों शूटिंग के बाद डिनर पर जाया करती थीं। मगर हां, उस समय हम बहुत ज्यादा चिंतित हो गए थे, जब श्रेयस को शूटिंग के पहले शेड्यूल में ही हार्ट अटैक आ गया था। उनका स्टेंट डाला गया। हमारे लिए वह बहुत बड़ा झटका था, क्योंकि अगले महीने फिर शूटिंग शुरू करनी थी। ऐसे समय पर बहुत टेंशन हो गई थी।'

नए कलाकार भी स्टार्स बन कर मोटी फीस लेते हैं

बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन को लेकर लगातार चर्चाएं चलती रहती हैं। इंडस्ट्री इस बात को लेकर चिंतित है कि फिल्में मनचाही कमाई नहीं कर पा रही हैं। मगर अहमद खान की 'वेलकम टू द जंगल' वर्ल्डवाइड पौने दो सौ करोड़ का बिजनेस कर चुकी है। अहमद समझाते हुए कहते हैं, 'देखिए, फिल्म बनाते समय हर किसी को लगता है कि उसकी फिल्म चलेगी। अगर फिल्म नहीं चलती तो उसका कोई तय इलाज या फॉर्मूला नहीं है। हर शुक्रवार नई फिल्म आती है और हर फिल्म से कुछ नया सीखने को मिलता है। यह पूरी तरह दर्शकों पर निर्भर करता है कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। फिल्म बनाने का कोई रॉकेट साइंस नहीं है। कई लोग स्टार्स प्राइज की बात करते हैं, मगर मेरा मानना है कि स्टार्स की कीमत जनता बढ़ाती है। निर्माता भी बढ़ाते हैं। अगर किसी स्टार को नहीं लिया जाएगा तो कई बार फिल्म ही नहीं बन पाएगी। बाद में नए कलाकार भी सफल होकर वही फीस लेने लगते हैं। इसलिए यह सिलसिला चलता रहता है। कभी स्टार की फीस बढ़ती है, कभी वीएफएक्स का खर्च बढ़ जाता है, कभी किसी और चीज का। हर जगह संतुलन बनाना पड़ता है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।